सुविचार

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

Freedom Of Speech

संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 8, अंक-6 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 17 मार्च 2023 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 2 रुपये

क्या है गिरफ्तारी एवं कैद से संरक्षण का मौलिक अधिकार जानिए/fundamental of right.....

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 में अनुच्छेद 19 से 22 तक प्रत्येक नागरिकों को स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है प्रत्येक नागरिकों का अर्थ यह होता है कोई अपराध के आरोपी या किसी अपराध के अपराधी को भी स्वतंत्रता के अधिकारों से वंचित नहीं किया जायेगा। अनुच्छेद 20 दोषसिद्धि से पूर्व आरोपी को संरक्षण का अधिकार देता है एवं अनुच्छेद 22 बंदीकरण एवं निरोध के विरुद्ध संवैधानिक संरक्षण का अधिकार देता है जानिए।

– लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 22 की परिभाषा?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22 गिरफ्तार हुए व्यक्ति , आरोपी व्यक्ति को संरक्षण से संबंधित मौलिक अधिकार देता है यह संरक्षण आरोपी को दो प्रकार से दिया जाता है-

1. सामान्य विधि के अंतर्गत गिरफ्तारी से संरक्षण अर्थात कोई भी दंडात्मक गिरफ्तारी पर आरोपी को संरक्षण प्राप्त होता है।
2. निवारक निरोध विधि के अंतर्गत गिरफ्तारी से संरक्षण अर्थात प्रतिबंधतआत्म कैद से आरोपी को संरक्षण प्राप्त होना।

उपर्युक्त मौलिक अधिकार किस को प्राप्त नहीं है जानिए-?

1. शत्रु देश के व्यक्ति को।
2. निवारक निरोध कानून के अंतर्गत गिरफ्तार या बंदी व्यक्ति को जैसे कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम,1980,चोरी बाजारी रिवारण और आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम,1980, स्वापक ओषिधि और मनः प्रभावी पदार्थ व्यापार निवारण अधिनियम,1988 आदि।

क्या विवाह शून्य होने के बाद पति, पत्नी को गुजारा भत्ता दे सकता है जानिए/legal General Knowledge.....

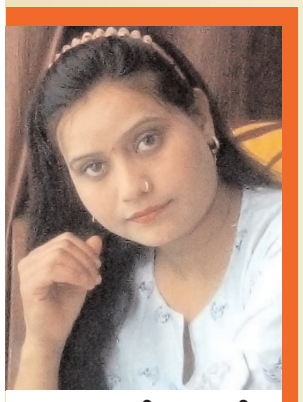

– कानूनी जानकारी लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान मोबाईल 7999293638

शून्य विवाह ऐसा वैवाहिक संबंध होता है जिसे प्रारंभ से ही वैध नहीं माना गया है अर्थात जिसका कोई महत्व नहीं होता है ऐसे विवाह निम्न प्रकार के हो सकते हैं जैसे की जबर्दस्ती सहमति लेकर किया गया विवाह, धोका या जालसाजी से किया गया विवाह, बिना तलाक के किया गया दूसरा विवाह आदि विवाह प्रारंभ से ही शून्य(अवैध) विवाह होते हैं। शुन्यकरणीय विवाह वह विवाह होते हैं जो प्रारंभ से वैध होते हैं लेकिन शादी के कुछ समय बाद इनको समाप्त किया जाता है जैसे तलाक द्वारा, किसी प्रथा के अनुसार छोड़ दिया जाना आदि शुन्यकरणीय विवाह अभी अवैध नहीं होते हैं। सवाल यह है की क्या विवाह शून्य(अवैध) होने के बाद पति अपनी पत्नी को भरण पोषण देने का अधिकार रखता है जानिए सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण जजमेंट।

देवकी बनाम शशि भूषण नारायण आजाद-? उक्त मामले में पत्नी द्वारा पति पर भरण पोषण का क्लेम किया गया। पति ने बचाव में विवाह के शून्य होने का तर्क प्रस्तुत किया इस पर उच्चतम न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया कि जब तक सिविल न्यायालय द्वारा विवाह को अवैध घोषित नहीं कर दिया जाता तब तक पत्नी गुजारा भत्ता की हकदार होगी विवाह शून्य(अवैध) होने के बाद पत्नी का यह अधिकार समाप्त होगा।

MP में इन्फ्लूएंजा H3N2 की एंट्री, भोपाल में पहला केस

भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में होगी सैंपल्स की जांच; स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल। मध्यप्रदेश में इन्फ्लूएंजा H3N2 की एंट्री हो गई है। इसका पहला केस राजधानी भोपाल में मिला है। गुरुवार को युवक की रिपोर्ट ॥3ह्2 पॉजिटिव मिली है। ?स्वास्थ्य आयुक्त ने इस संबंध में सभी जिलों के सीएमएचओ और सिविल सर्जन को एडवाइजरी जारी की है। इसके अलावा भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में इसकी जांच की जाएगी। वहीं, अस्पताल में जरूरी उपकरण, दवाएं और मेडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य संचालनालय के मुताबिक 4 दिन पहले बैरागढ़ में रहने वाले 25 साल के युवक को सर्दी-खांसी की शिकायत हुई थी। उसके स्वैब का सैंपल इनफ्लुएंजा H3N2 की जांच के लिए भोपाल के एम्स भेजा गया था। गुरुवार को रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल युवक को घर में ही क्वारेंटाइन किया गया है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि H3N2पॉजिटिव युवक की सेहत स्थिर है। उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं है।

शुगर, हार्ट, लिवर, किडनी, कैंसर और श्वास पेशेंट को ज्यादा खतरा

एडवाइजरी के मुताबिक छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, शुगर, हार्ट, लिवर, किडनी, कैंसर व श्वास रोगियों H3N2 के संक्रमण का खतरा ज्यादा है। इन बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसके अलावा, संबंधित बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति इम्युनो कंप्रोमाइज्ड होते हैं। गाइडलाइन के अनुसार इम्युनो कंप्रोमाइज्ड श्रेणी के इन मरीजों को H3N2 और H1N1 का संक्रमण होने पर उनकी सेहत गंभीर हो सकती है। इन्हें अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ सकता है।

संदिग्ध मरीज को दें टैमी फ्लू

इन्फ्लूएंजा H3N2 और H1N1 के लक्षण वाले मरीजों को ओसाल्टामिविर (टैमीफ्लू) दवा दी जाए। यह दवा उन मरीजों को दी जाए, जिनमें सीजनल इन्फ्लूएंजा के लक्षणों के साथ नए वैरिएंट की आशंका हो।

जिन इलाकों में थ्रोट इंफेक्शन के केस ज्यादा... वहां सर्वे कराएं

स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने संक्रमण बढ़ने से पहले सीएमएचओ और सिविल सर्जन को एडवाइजरी दी है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से जुड़ी प्रक्रियाएँ समय पर पूर्ण करें: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के प्रति बहनों का उत्साह प्रशंसनीय है। बहनों के सशक्तिकरण की दृष्टि से यह अति महत्वपूर्ण योजना है। विभागीय अधिकारी और जिला स्तर पर पदस्थ प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी योजना से जुड़ी प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज समत्व भवन के मंथन कक्ष में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी आवश्यक तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ प्रदान करने के लिए पात्र बहनों का ई-केवायसी से जुड़ा कार्य पूर्ण किया जा रहा है। जिलों में कार्य को गति मिली है। मंदसौर, उज्जैन, राजगढ़, बालाघाट और इंदौर इस कार्य में प्रदेश के 5 शीर्ष जिलों में शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान 5 मार्च को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना

योजना का औपचारिक शुभारंभ कर चुके हैं। योजना में 25 मार्च से आवेदन भरवाने का काम शुरू होगा। आगामी 10 जून से पात्र बहनों को प्रति माह 1000 रूपए मिलना प्रारंभ हो जायेंगे। योजना का लाभ लेने के लिए प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे महिलाओं को आवेदन की पूर्ति में कठिनाई न हो। आवेदन भरने के लिये वार्ड और ग्राम में ही औपचारिक कार्यवाही पूर्ण करवाई जाएगी। जन-प्रतिनिधि, प्रशासनिक अमला और सामाजिक कार्यकर्ता बहनों के हित में सक्रिय भूमिका निभा कर योजना के क्रियान्वयन में सहयोग देंगे।

एमएसएमई इकाइयों का प्रोत्साहन आवश्यक: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करवाएँ। इस श्रेणी की औद्योगिक इकाइयाँ गठित की जाने से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। उन्हें पर्याप्त प्रोत्साहन मिलना चाहिए। ऐसी इकाइयों द्वारा नई तकनीक का उपयोग कर संयंत्रों का संचालन किए जाने पर भी आवश्यक मदद उपलब्ध करवाई जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज समत्व भवन के मंथन कक्ष में भोपाल में आगामी माह होने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सम्मेलन संबंधी विचार-विमर्श कर रहे थे। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, सचिव एमएसएमई श्री पी. नरहरि सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बताया गया कि अप्रैल माह में भोपाल में होने वाले सम्मेलन में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल

को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, वित्तीय संस्थान और बैंकों के वरिष्ठ पदाधिकारी, उद्योग संघों के प्रमुख, लघु उद्योग भारती, फिक्की एवं डिक्की के प्रतिनिधि भी हिस्सेदारी करेंगे। सफल स्टार्टअप और एमएसएमई के साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान, विश्वविद्यालय और इनक्यूबेशन सेंटर्स के प्रतिनिधि, वालमार्ट, ओएनडीसी, आईआईएम इंदौर और आईआईटी दिल्ली के प्रतिनिधि भी आमंत्रित किए जाएंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार सम्मेलन में मध्यप्रदेश में निर्यात संवर्धन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के लिए वित्तीय समाधान के नए आयाम विषय पर चर्चा के साथ सामान्तर-सत्र भी होंगे। इन सत्रों में क्लस्टर डेवलपमेंट, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को परिस्थिति अनुरूप समर्थ बनाने, परिवर्तन के लिए समावेशी नीति संवाद और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकता विषय पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

भोपाल, इंदौर में आज ओलावृष्टि

आधे MP में तेज बारिश-आंधी के आसार उज्जैन के साथ दमोह-देवास में बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में 16 मार्च से बारिश का सिस्टम एक्टिव हो गया। मौसम विभाग की मानें तो शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, रीवा संभाग के साथ कटनी, जबलपुर, पन्ना, सागर और छतरपुर में तेज आंधी के साथ ओले गिर सकते हैं। इसके साथ ही, ग्वालियर, सागर-शहडोल में बारिश के भी आसार हैं। हवा की रफ्तार 40 से 60ग्यद्व प्रतिघंटा रह सकती है। आकाशीय बिजली के चमकने और गिरने की भी आशंका है। उज्जैन के साथ दमोह के पथरिया और देवास में बूंदाबांदी चल रही है। प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है, जो 19 मार्च तक बदला रहेगा। पिछले दो दिन से भोपाल, इंदौर, सीहोर, खरगोन, नर्मदापुरम, बड़वानी, देवास, बुरहानपुर, शिवपुरी, बैतूल, रायसेन, ग्वालियर, भिंड, खंडवा, हरदा, मुरैना, उज्जैन, धार, छिंदवाड़ा, अनूपपुर, डिंडौरी, दमोह, सिवनी, कटनी, बालाघाट, नरसिंहपुर, रीवा और सागर में बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को भी प्रदेश के

कई जिलों में बारिश हुई। भोपाल, मंदसौर में ओले भी गिरे।

इसलिए बदला मौसम

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि उत्तर भारत में एक विक्षोभ सक्रिय है, जो काफी मजबूत है। इसी के प्रभाव से एक प्रेरित चक्रवात साउथ-ईस्ट राजस्थान में 14 मार्च से बना हुआ है। इससे प्रदेश में मौसम बदल गया है। 16 मार्च से फिर एक पश्चिमी विक्षोभ बन गया है। दक्षिण-पूर्वी हवाएं बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी लेकर आ रही है।

कर्मचारी चयन आयोग की गलती से परेशान हो रहे हैं आई टी आई के छात्र।

नागेश नरवरिया भोपाल

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा समूह 3 उपयंत्री, मानचित्रकार और समयपाल के रिक्त पदों पर भर्ती निकाली गई थी। जिसमे पोस्ट कोड 18 और पोस्ट कोड 82 के पदों पर कई उम्मीदवारों ने आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (ढूञ्ढ से मानचित्रकार का प्रमाण पत्र अथवा वास्तुविद में डिप्लोमा) ना होते हुए भी आवेदन कर दिया था और आयोग द्वारा उनकी छूटनी नही की गई। जिससे वह इन पदों की परीक्षा में भी सम्मिलित हो गए और वह चयनित अभ्यर्थियों की सूची में आ गए। जबकि इन पदों के लिए जो योग्य उम्मीदवार थे वह प्रतीक्षा सूची में हैं। कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा की गई इस लापरवाही की वजह से आई टी आई के छात्र योग्य होते हुए भी उक्त पदों से वंचित रह गए और उनके द्वारा की गई पढ़ाई निरर्थक हो गई इससे जो योग्य उम्मीदवार है वह मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे है और आयोग द्वारा की गई गलती से हताश है।

उम्मीदवारों की सुने

उम्मीदवारों ने ईएसबी में शिकायत भी की है लेकिन इसमें अभी तक कुछ परिवर्तन नहीं किया गया है ।

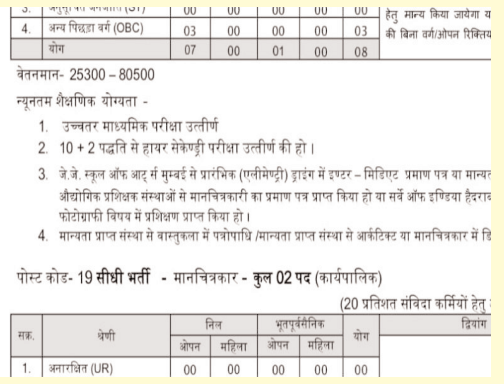

क्र.	श्रेणी	लिंग		भूतपूर्वसैनिक		योग	दिव्यांग
		ओपन	महिला	ओपन	महिला		
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	03	00	00	00	03	हेतु मान्य किया जायेगा य की बिना वर्ग/ओपन रिक्तिय
	योग	07	00	01	00	08	

वेतनमान- 25300 – 80500

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता -

1. उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण
2. 10 + 2 पद्धति से हायर सेकेण्ड्री परीक्षा उत्तीर्ण की हो ।
3. जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट मुम्बई से प्रारंभिक (एलीमेण्ट्री) ड्राइंग में इण्टर – मिडिएट प्रमाण पत्र या मान्य औद्योगिक प्रशिक्षक संस्थाओं से मानचित्रकारी का प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो या सर्वे ऑफ इण्डिया हैदराब फोटोग्राफी विषय में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो ।
4. मान्यता प्राप्त संस्था से वास्तुकला में पवोपाधि /मान्यता प्राप्त संस्था से आर्कीटेक्ट या मानचित्रकार में डि

पोस्ट कोड- 19 **सीधी भर्ती** - मानचित्रकार - **कुल 02 पद** (कार्यपालिक)

(20 प्रतिशत संविदा कर्मियों हेतु

क्र.	श्रेणी	लिंग		भूतपूर्वसैनिक		योग	दिव्यांग
		ओपन	महिला	ओपन	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	00	00	00	00	00	

उम्मीदवार छत्रपाल और दीपक ने बताया कि इससे पूर्व में भी मानचित्रकार के पदो पर भर्ती होती रही है लेकिन इस तरह की गलती पहले कभी नहीं हुई। मानचित्रकार के पदो पर हुई पहले की भर्ती में जिन उम्मीदवारों के पास ढूञ्ढ से मानचित्रकार का प्रमाण पत्र अथवा वास्तुविद में डिप्लोमा होता था वही इन पदो पर आवेदन कर पाता था लेकिन इस बार ईएसबी की गलती से जिन उम्मीदवारों के पास आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता नहीं थी उन्होंने ने भी आवेदन कर दिया। योग्य उम्मीदवारों की ईएसबी और

7. **कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख सतपुड़ा भवन भोपाल (म.प्र.)**&

कार्यालय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख सतपुड़ा भवन भोपाल (म.प्र.) प

प्रशा. II / क्षे. स्था 4 /471 भोपाल, दिनांक 24/01/2022 एवं प्रशा.II मुख्या.स्था.4/192

दिनांक 08/04/2022 के अंतर्गत के अंतर्गत रिक्त पदों की जानकारी निम्नानुसार है:-

आरक्षणतालिका

पोस्ट कोड- 18 **सीधी भर्ती** - मानचित्रकार - **कुल 08 पद** (कार्यपालिक)

क्र.	श्रेणी	लिंग		भूतपूर्वसैनिक		योग	दिव्यां
		ओपन	महिला	ओपन	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	01	00	01	00	02	दिव्यांगो की कुल 01 रिक्ति 01 EH 00 LD एवं 00 V
2.	ई.डब्लू.एस.	01	00	00	00	01	लिये आरक्षित है । जिस के
2.	अनुसूचित जाति (SC)	02	00	00	00	02	इन पदो लिये चयनित हो
3.	अनुसूचित जनजाति (ST)	00	00	00	00	00	हेतु मान्य किया जायेगा य
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	03	00	00	00	03	की बिना वर्ग/ओपन रिक्तिय
	योग	07	00	01	00	08	

वेतनमान- 25300 – 80500

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता -

1. उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण
2. 10 + 2 पद्धति से हायर सेकेण्ड्री परीक्षा उत्तीर्ण की हो ।
3. जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट मुम्बई से प्रारंभिक (एलीमेण्ट्री) ड्राइंग में इण्टर – मिडिएट प्रमाण पत्र या मान्य औद्योगिक प्रशिक्षक संस्थाओं से मानचित्रकारी का प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो या सर्वे ऑफ इण्डिया हैदराब फोटोग्राफी विषय में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो ।
4. मान्यता प्राप्त संस्था से वास्तुकला में पवोपाधि /मान्यता प्राप्त संस्था से आर्कीटेक्ट या मानचित्रकार में डि

पोस्ट कोड- 19 **सीधी भर्ती** - मानचित्रकार - **कुल 02 पद** (कार्यपालिक)

(20 प्रतिशत संविदा कर्मियों हेतु

क्र.	श्रेणी	लिंग		भूतपूर्वसैनिक		योग	दिव्यां
		ओपन	महिला	ओपन	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	00	00	00	00	00	
2.	ई.डब्लू.एस.	00	00	00	00	00	
2.	अनुसूचित जाति (SC)	01	00	00	00	01	निरंक
3.	अनुसूचित जनजाति (ST)	00	00	00	00	00	
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	01	00	00	00	01	
	योग	02	00	00	00	02	

वेतनमान- 25300 – 80500

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता -

1. उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण
2. 10 + 2 पद्धति से हायर सेकेण्ड्री परीक्षा उत्तीर्ण की हो ।
3. जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट मुम्बई से प्रारंभिक (एलीमेण्ट्री) ड्राइंग में इण्टर – मिडिएट प्रमाण पत्र या मान्य औद्योगिक प्रशिक्षक संस्थाओं से मानचित्रकारी का प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो या सर्वे ऑफ इण्डिया हैदराब फोटोग्राफी विषय में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो ।
4. मान्यता प्राप्त संस्था से वास्तुकला में पवोपाधि /मान्यता प्राप्त संस्था से आर्कीटेक्ट या मानचित्रकार में डि

संबंधित विभाग के अधिकारियों से गुजारिश है कि इन पदो पर जो योग्य उम्मीदवार है उनकी नियुक्ति जल्द से जल्द करवाई जाए और जो उम्मीदवार इन पदो पर योग्य न होते हुए भी गलत जानकारी देकर इन पदो की परीक्षा में सम्मिलित हुए ऐसे उम्मीदवारों पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए। इस संबंध में उम्मीदवारों ने संबंधित विभाग में जाकर उच्च अधिकारियों से बात की तो उनका भी यही कहना है कि जो उम्मीदवार विभाग द्वारा चाही गई आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की शर्तो को पूरा करेगा उसी को नौकरी दी जाएगी। अब योग्य उम्मीदवारों के समक्ष परेशानी यह है कि ईएसबी विभाग को मेरिट लिस्ट भेजेगा और उसके अनुसार ही विभाग उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाएगा और फिर जो उम्मीदवार मेरिट लिस्ट में होते हुए भी अयोग्य है उनको पहले बाहर करेगा फिर प्रतीक्षा सूची वालो को बुलाया जाएगा और इसमें बहुत समय बर्बाद होगा। आईटीआई के छात्रों के लिए वैसे ही सरकारी विभागों में बहुत कम नौकरियां निकलती हैं और अब यह नौकरी आई तो उसमे भी ईएसबी की गलती की वजह से आईटीआई के छात्रों के योग्य होते हुए भी मानसिक शोषण किया जा रहा है।

गरिमा पटेल नर्सिंग ऑफिसर इकलेरा को ड्यूटी समय पर अनुपस्थिति को लेकर मिला नोटिस

मुकेश अहिरवार

नरसिंहगढ़ राजगढ़। इकलेरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अनुपस्थित दिवस का कटेगा वेतन स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर और कर्मचारियों के द्वारा स्वयं के कार्य स्थल पर अनुपस्थिति थमने का नाम नहीं ले रही है कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी विकासखंड नरसिंहगढ़ के द्वारा सुश्री गरिमा पटेल नर्सिंग ऑफिसर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इकलेरा को समक्ष अधिकारी के बिना कोई पूर्व सूचना के इकलेरा केंद्र पर अनुपस्थिति रही इसी को ध्यान में रखते हुए चीफ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ राजेंद्र कुमार अहिरवार के द्वारा सुश्री गरिमा पटेल नर्सिंग ऑफिसर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इकलेरा को भी अनुपस्थित के संबंध में नोटिस जारी किया गया सुश्री गरिमा पटेल 03/03/ 2023 से आज दिनांक 14/03/2023 समय दोपहर 1ः30 बजे तक वरिष्ठ कार्यालय को बिना कोई पूर्व सूचना के अनुपस्थित रही पत्र प्राप्त होने के उपरांत समय सीमा की अवधि में संतोषजनक जवाब अधो हस्ताक्षर कर लिखित आवेदन प्रस्तुत न किए जाने की स्थिति में वेतन कटौती एवं विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गोविंद सिंह बैरागी नरसिंहगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

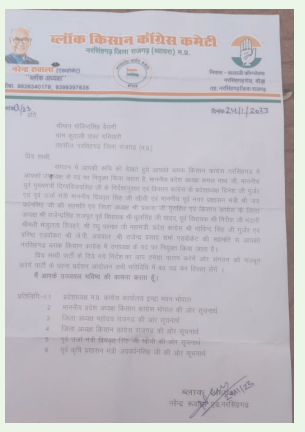

गोविंद सिंह बैरागी कि संगठन में रूचि को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ जी एवं पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह जी के दिशा निर्देश एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश जी गुर्जर और पूर्व ऊर्जा मंत्री माननीय प्रियव्रत सिंह खींची राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह राजगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश पुरोहित किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत एवं पूर्व विधायक धूल सिंह यादव पूर्व विधायक गिरीश भंडारी नरसिंहगढ़ नवा पूर्व अध्यक्ष मंजू लता शिवहरे प्रदेश महामंत्री रघु परमार एवं गोविंद सिंह गुर्जर और वरिष्ठ एडवोकेट जेपी अग्रवाल साहब राजेंद्र प्रसाद शर्मा जी की सहमति को देखते हुए नरसिंहगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अनुशंसा पर गोविंद सिंह बैरागी को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैं उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किए गए।

श्री अभिषेक गुप्ता मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुरा की मनमानी एवं कार्यशैली के खिलाफ ज्ञापन।

रमन बामने की रिपोर्ट

मामला रायसेन जिले की जनपद पंचायत उदयपुरा का है जिसमें पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गुप्ता द्वारा आए दिन सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, जनपद के अन्य कर्मचारी अधिकारियों , तथा जनप्रतिनिधियों को आए दिन परेशान किया जा रहा है जिससे परेशान होकर संयुक्त मोर्चा उदयपुरा द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुरा श्री अभिषेक गुप्ता को हटाने के लिए , जनपद पंचायत उदयपुरा से सभी लोग पैदल नारे लगाते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे और श्रीमान तहसीलदार श्री मोती लाल अहिरवार जी महोदय को श्रीमान कलेक्टर महोदय रायसेन एवं श्रीमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय रायसेन को ज्ञापन सौंपा । इसके बाद संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी गण जनपद पंचायत कार्यालय के प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि जब तक जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नहीं हटाया जाता तब तक धरना समाप्त नहीं होगा।

बारिश से हुए नुकसान को लेकर नरसिंहगढ़ कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

ब्लॉक किसान कांग्रेस कमेटी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नरसिंहगढ़ के द्वारा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम नरसिंहगढ़ अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को सौंपा ज्ञापन बेमौसम हुई बारिश से किसानों की खेतों में खड़ी रबी फसल को हुआ भारी नुकसान किसानों में है भारी आक्रोश बेमौसम हुई बारिश से तेज हवा और आंधी तूफान के कारण ओले गिरने से नरसिंहगढ़ ब्लॉक के किसानों को हुआ भारी नुकसान फसलों में हुए नुकसान का उचित सर्वे करा कर किसानों को तत्काल मुआवजा प्रदान किया जाए नरसिंहगढ़ एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन देते समय नरसिंहगढ़ के पूर्व विधायक गिरीश भंडारी पूर्व विधायक धूल सिंह यादव पूर्व नपा अध्यक्ष मंजू लता शिवहरे प्रेम किशोर मीणा सुरेंद्र रघुवंशी ज्ञान सिंह मीणा भगवान सिंह देवीलाल गोविंद सिंह गुर्जर वीरेंद्र गुर्जर जिला पंचायत उपाध्यक्ष पर्वत सिंह यादव और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रथम चमार अधिवेशन 4 अप्रैल को दिल्ली में होगा

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। देश के इतिहास में पहली बार दिल्ली में 4 अप्रैल 2023 को देश के कोने-कोने से रविदासिया समाज में आने मूल जाति चमार जाति का विशाल राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। जिसमें चमार कौम के ही विद्वान, साहित्यकार, समाजसेवी, पत्रकार एवं छोटे बड़े सभी सम्मानित सामाजिक बन्धुगण दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में 4 अप्रैल 2023 को एकजुट इस उद्देश्य से हो रहे है कि हम सारे दिल्ली आयेगें, अपना वजूद दिखायेंगे। इस एतिहासिक अधिवेशन में, अपने इरादे बतायेंगे।। अधिवेशन में देश के कौन नेता, मंत्री या बड़े राष्ट्रीय नेता आयेगें यह जानकारी अभी नही दी जा रही है। लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि इस एतिहासिक अधिवेशन में कोई भी राष्ट्रीय नेता आ सकते हैं। चूंकि देश के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले चमार जाति का देश भर से दिल्ली आना और महाधिवेशन कर अपने समाज का वजूद दिखाना कई मायनों में सम्पूर्ण देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। तथा आयोजकों द्वारा लम्बे समय से इस अधिवेशन की तैयारियां जोरों पर की जा रही है। आयोजन के बिषय में जानकारी प्राप्त हुई है कि भाग लेने वाले सामाजिक बन्धुओं को दिल्ली में ठहरने, रुकने और भोजन की व्यवस्था कराई जा रही है। जिसमें अनेक फैसले लेकर प्रस्ताव पास कर भारत सरकार की स्वीकृति हेतु भेजें जायेगें, वहीं चमार रेजिमेंट की बहाली का मुख्य लक्ष्य माना जा रहा है। वहीं देश की महान बहादुर चमार जाति रही है। जिसका सदियों पुराना इतिहास रहा है। जिसके देश में राजा महाराजा और हर क्षेत्र में हजारों विद्वान कलाकार, साहित्यकार, विज्ञानियों की कौम रही है। जिसका सदियों पुराना इतिहास है जो भारत के किसी भी कोने में, जगल में, पहाड़ों में या जहाँ देखना चाहते हैं वहीं पर चमार जाति के लोग पाये जाते हैं। प्रथम चमार जाति अधिवेशन दिल्ली में केवल चमार जाति के महापुरुषों, शहीदों, सेनानियों के फोटो ही लगाये जायेंगे। तथा देश की आजादी में चमार जाति के बलिदान देने वाले शहीदों की सूची जारी होगी, कौम के सेनानी रहे शहीद हुए परिजनों का अधिवेशन में सम्मान किया जायेगा।

डॉ राकेश परमार को बहाल किया जाय, दिया ज्ञापन।

अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ द्वारा श्री माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय खंडवा में पदस्थ रहे गणित के सहायक प्राध्यापक डॉ राकेश कुमार परमार को निलंबन से बहाल किए जाने हेतु प्रदेश के अपर मुख्य सचिव एवं श्री कर्मवीर शर्मा आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग भोपाल को पत्र भेजकर निलंबन से बहाल करने की मांग की है परिसंघ के प्रांत अध्यक्ष इंजी.ए आर सिंह तथा प्रांतीय महासचिव नरेंद्र चौधरी ने उपरोक्त प्रकरण में प्रदेश के मुख्यमंत्री को ई-मेल भेजकर श्री परमार का निलंबन समाप्त करने के बारे में अवगत कराया, जिस पर मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा परिसंघ के पत्र पर कार्यवाही करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन को दिए हैं संगठन के प्रदेश पदाधिकारी आर एन ठाकुर,दशरथ अहिरवार,अजय झारिया, श्यामलाल दोहरिया, एडवोकेट जयंतीलाल जाटव, इंजी आशीष रायपुरिया,जे के मालवीय, चुन्नीलाल परमार दीपक बंशकार आदि पदाधिकारियों ने डॉ राकेश परमार को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

म.प्र.में पुरानी पेंशन बहाली हेतु मुख्यमंत्री से परिसंघ ने की मांग

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

ग्वालियर/ भोपाल 11 मार्च, अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ मध्य प्रदेश की इकाई द्वारा प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल किए जाने हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जनहित में शीघ्र पुरानी पेंशन

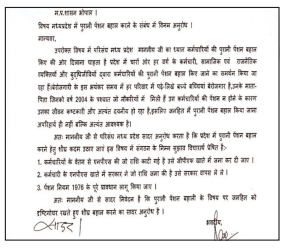

बहाली का अनुरोध किया है प्रेस को जारी विज्ञप्ति मैं परिसंघ के प्रदेश महासचिव नरेंद्र चौधरी द्वारा मुख्यमंत्री को सुझाव सहित अनुरोध किया गया है जिसमें कर्मचारियों के वेतन से एनपीएस में जो राशि कर्मचारियों के वेतन से काटी गई है उस राशि को जीपीएफ खाते में जमा कर दिये जाने एवं शासन द्वारा कर्मचारियों के एनपीएस खाते में जमा की गई राशि सरकार वापस ले ले तथा कर्मचारियों को उनकी नियुक्ति दिनांक से पेंशन नियम 1976 के प्रावधान लागू किए जाने हेतु सुझाव विचारार्थ प्रेषित करते हुए जन हितार्थ पुरानी पेंशन शीघ्र बहाल किए जाने हेतु परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर एआर सिंह,आर एन ठाकुर, अजय झारिया, लक्ष्मण सिंह सिलौटे, डॉ.के के बच्चन, अजब सिंह, जी पी अहिरवार, देवेंद्र मेढेकर, डॉ पी डी महंत, श्रीमती आरती भगोरिया, एडवोकेट जयंतीलाल जाटव, इंजी आशीष रायपुरिया आदि ने मुख्यमंत्री से पुरानी पेंशन योजना बहाली की घोषणा करने की अपील की है।

अजाक्स टीम सतना के द्वारा अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य (राज्य मंत्री स्तर) का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया

कैलाश कुमार - युवा प्रदेश (सह संपादक)

सतना। अजाक्स जिला इकाई सतना द्वारा आज दिनांक 13/03/2023को सर्किट हाउस सतना में माननीय, गुरुचरण खरे जी(राजमंत्री स्तर) अनुसूचित जाति आयोग सदस्य मध्य प्रदेश भोपाल क अजाक्स और नाजी टीम द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।आदरणीय,रामकलेश साकेत जी, अजाक्स अध्यक्ष द्वारा एससी/एसटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर मंत्री जी, को अवगत कराया गया। जिसमे माननीय जी, द्वारा जल्द से जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया गया निम्न मुद्दों पर चर्चा की गई

1- एससी, एसटी, ह्वष्ट के छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति समय पर दिलवाले

2-छात्रावास संबंधित समस्या

3-एससी, एसटी समाज में हो रहे अन्याय अत्याचार पर तुरंत कार्यवाही कर न्याय दिलवाने जाने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित करने इत्यादि बिन्दुओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए आश्वासन दिया गया। मुख्य रूप से अजाक्स अध्यक्ष आदरणीय रामकलेश साकेत,जवाहरलाल साकेत कोषाध्यक्ष,अमृतलाल साकेत सचिव,राकेश कुमार वर्मा महासचिव,सत्यनारायण वर्मा संयुक्त सचिव,राजकुमार साकेत ब्लाक अध्यक्ष अमरपाटन,राजकुमार चौधरी संयुक्त सचिव,शिवमोहन अहिरवार नाजी महासचिव,नागेंद्र अहिरवार सचिव नाजी,शक्ति रैदास नाजी सचिव,मिथिलेश चौधरी,ईश्वर सूर्यवंशी,राजकिशोर समुंद्रे उपस्थित रहे।

संकल्प महाविद्यालय की छात्रा राशि पनिका द्वारा अंबिकापुर मे आयोजित सुपर मॉडल इंडिया -2023 का जीता खिताब

कैलाश कुमार - युवाप्रदेश (सह संपादक)

अनूपपुर । जिला मुख्यालय स्थित संकल्प महाविद्यालय की BPT प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री राशि पनिका पिता हेमलाल पनिका द्वारा अंबिकापुर मे ग्लैमरस प्रोडक्शन हाउस द्वारा आयोजित सुपर मॉडल इंडिया -2023 का ख़िताब जीता गया। गौरतलब है कि ग्लैमरस प्रोडक्शन हाउस के दीपक सिंह के द्वारा अंबिकापुर मे काफी बड़े स्तर पर सुपर मॉडल इंडिया -2023 का आयोजन किया गया था।अंबिकापुर मे आयोजित इस प्रतियोगिता मे छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों द्वारा हिस्सा लिया गया है। मॉडलिंग प्रतियोगिता मे मिस्टर, मिस, मिसेज एवं किड के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमे ट्रेडिशनल एवं वेस्टर्न राउंड भी रखे गए थे। सुपर मॉडल इंडिया प्रतियोगिता के फाइनल राउंड मे फाइनल जज

के रूप मे चंडीगढ़ के मशहूर मॉडल, सिंगर, एक्टर एवं विभिन्न अलग -अलग रियलिटी शो कर चुके मि. प्रिंस नरूला एवं अंबिकापुर के मॉडल, फ़िल्म ट्विस्ट के एक्टर मि. शैलेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता मे अलग अलग राज्यों के भाग लेने वाले प्रतिभागी को कड़ी टक्कर देते हुए ट्रेडिशनल एवं वेस्टर्न दोनों ही राउंड मे सफलता हासिल कर राशि पनिका द्वारा अपनी एक अलग पहचान बनाई। महाविद्यालय के लिए यह गर्व का विषय है कि महाविद्यालय द्वारा एक अलग प्लेटफार्म पर अपनी पहचान बना कर महाविद्यालय एवं समस्त शिक्षकों को गौरवन्वित किया है। छात्रा द्वारा इस वर्ष पैरामेडिकल संकाय के BPT प्रथम वर्ष मे प्रवेश लिया गया है। छात्रा द्वारा इतनी कम उम्र मे इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना सभी के लिए हर्ष का विषय है। महाविद्यालय संचालक अंकित शुक्ला द्वारा छात्रा को शुभकामनायें देते हुए छात्रा की उज्जवल भविष्य की कामना की।

लाड़ली बहना योजना के लिए ई-केवायसी कार्य को अभियान मोड़ पर करें अधिकारीः राजगढ़ कलेक्टर

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ़। जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लाड़ली बहना योजना में हितग्राहियों का समग्र से ई-केवायसी लिंक एवं आधार से बैंक खाते को लिंक करवाने के लिए अभियान मोड पर कार्य करें। अगर जरूरत लगें तो महिलाओं के नए खाते पोस्ट आफिस के ई-पेमेंट बैंक या सुविधा अनुसार अन्य बैंक में खुलवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने कलेक्टोरेट सभागार में आयोजित समय-सीमा की बैठक में दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षय तेम्रवाल भी उपस्थित रहें। बैठक में उन्होंने कृषि विकास एवं किसान कल्याण अधिकारी एवं प्रभारी खाद्य अधिकारी श्री हरीश मालवीय को निर्देशित किया कि गेंहू उपार्जन हेतु केन्द्रों को चिन्हिंत करें। सभी केन्द्र वेयर हाउस के नजदीक रहें। पहले सरकारी वेयर हाउस को प्राथमिकता दें। उन्होंने ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि अपने-अपने अनुभाग में जो ग्राम पंचायते राशन दुकानों से वंचित है। वहां नई राशन दुकानें प्राथमिकता से खोलें। साथ ही छापीहेड़ा, खुजनेर, कुरावर में उन्न उत्सव पर समय से राषन वितरण न होने पर नाराजगी जाहीर की। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में आए आवेंदनों के निराकरण कि समीक्षा तहसीलवार तहसीलदारों से की। जिले में मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में लगभग 3000 पट्टे दिए जाएंगें। उन्होंने जिले के समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि स्वामित्व योजना में आर.ओ.आर. एंट्री समय पर करें। साथ ही धारणाधिकार के सभी प्रकरणों को समय पर भेंजे। खिलचीपुर, जीरापुर, छापीहेड़ा, माचलपुर, सारंगपुर तहसीलदार को निर्देशित किया कि पिछ्लें दिनों हुई ओलावृष्टी का सर्वे जल्द पूर्ण कर रिपोर्ट भेंजे। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि सी.एम. हेल्पलाईन कि शिकायतों को गंभीरता से लें एवं शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करें। इस अवसर पर समस्त जिला अधिकारी मौजूद रहे।

रीवा-चिरमिरी-रीवा नियमित चलेगी, डीआरएम जबलपुर ने संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया

कैलाश कुमार- युवा प्रदेश (सह संपादक)

अनूपपुर। जबलपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने ट्वीट कर ट्रेन नंबर 11751/11752 रीवा-चिरमिरी-रीवा ट्रेन जो सप्ताह में 3 दिन चल रही है उसे नियमित करने की मांग पर जानकारी दी कि हमारे संज्ञान में लाने के लिए धन्यवाद। निश्चिंत रहें संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में इस बात को ला दिया गया है।ज्ञातव्य हो कि कोरोना काल के बाद इस ट्रेन को सप्ताह में 3 दिन चलाया जा रहा है।जबकि यह ट्रेन जब नियमित चलती थी जब भी और अब भी यात्रियों से भरी रहती हैं।रेलवे को इस ट्रेन से अच्छे राजस्व की प्राप्ति होती है। सप्ताह में 3 दिन चलने से जहां रेलवे के राजस्व में कमी आ रही है वहीं यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नियमित रूप से रीवा के लिए केवल बिलासपुर रीवा ट्रेन में यात्रियों का दबाव प्रतिदिन बना रहता है।इस ट्रेन के चलने से यात्रियों की यात्रा सुलभ एवं सुगम होती थी।लेकिन सप्ताह में 3 दिन चलने से यात्रियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा और रेलवे को भी काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।जिसको लेकर वरिष्ठ पत्रकार अरविंद बियानी ने डीआरएम जबलपुर को ट्वीट के माध्यम से जानकारी दी।जिस पर डीआरएम जबलपुर ने जानकारी देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में ट्रेन को लाया है।जिससे निश्चित ही आने वाले समय में यह ट्रेन भी पूर्व की तरह नियमित प्रारंभ हो जाएगी।जिससे यात्रियों को यात्रा में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।वही रेलवे के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

भीषण सड़क हादसा बस ने मारी ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर

देवेंद्र धाकड़ की रिपोर्ट

विदिशा। विदिशा सांची रोड पर करीला धाम जा रहे श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर ट्राली को बस ने मारी टक्कर एक व्यक्ति की मौत कई लोग घायल बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर ट्रॉली में 20 से 21 लोग घायल हुए हैं घायलों में महिलाएं बच्चे भी शामिल है सभी को विदिशा मेडिकल हॉस्पिटल पहुंचाया गया जहां इलाज जारी मौके पर पहुंचे एडीएम वृंदावन सिंह मरीजों का जाना हाल।

जिले में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु 06 दिवसीय भर्ती केम्प का आयोजन 14 से

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार विशेष रिपोर्ट

राजगढ़। जिला रोजगार अधिकारी श्री एम.व्ही. सन्तोष कुमार द्वारा दी गई जानकारी अनुसार राजगढ जिले में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु 06 दिवसीय भर्ती केम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सिक्युरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड जवासा नीमच द्वारा 14 मार्च, 2023 को जनपद पंचायत नरसिहंगढ़, 15 को जनपद पंचायत ब्यावरा, 16 को जनपद पंचायत सारंगपुर, 17 को जनपद पंचायत खिलचीपुर, 20 को जनपद पंचायत जीरापुर एवं 21 मार्च, 2023 को जनपद पंचायत राजगढ में प्रातः 10:30 बजे से शाम 04:00 बजे तक किया जाएगा। इस हेतु बेरोजगार अभ्यार्थी जिनकी योग्यता 10 वीं पास उम्र 21 से 37 वर्ष ऊँचाई 168 से.मी वजन 56 से 90 किलो, सीना 80 से 85 से.मी आ ेदन कर सकते है। उक्त तिथियों में 10वीं की छायाप्रति, एक फोटो, आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन शुल्क 350 रूपये चयनित उम्मीदवार के लिये के साथ उपस्थित हो। इसमें एक माह का प्रषिक्षण देकर 65 वर्ष की स्थाई नौकरी दी जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र खजुराहो का मंदिर, सांची का स्तूप, दिल्ली का लाल किला, आई.डी.बी.आई. बैंक, एस.बी.आई.

बैंक एवं गुडगांव में 12 से 15 हजार के मासिक वेतन पर रखा जाएगा। अन्य सुविधाएं पी.एफ., ग्रेज्युटी, मेडिकल सुविधा, बीमा, प्रमोशन एवं दो बच्चों की पढाई आई.पी.एस. स्कूल देहरादून में करवा सकते है।

मां जानकी, करीला धाम, राई नृत्यांगनाओं का एचआईवी टेस्ट, कराना लाखोंश्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था पर कुठाराघात, नारी जाति को किया सार्वजनिक रूप से अपमानित: डॉ सीमा सुराना

देवेंद्र सिंह धाकड़ की खबर

अशोकनगर। मध्यप्रदेश नही बल्कि पूरे भारतवर्ष में आस्था का केंद्र जानकी मां करीला धाम पर, माताजी को ध्वजा अर्पण करने वाली राई नृत्यांगना को स्वर्ग की अप्सराओं, व देवी का स्वरूप माना जाता है। उनके नृत्य कोआशीर्वाद मानाकर आस्था का प्रतीक माना जाता है। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास की डोर माँ जानकी करीला धाम मेला की राई नृत्यांगनाओ का, प्रशासन द्वारा एच आई व्ही टेस्ट कराना सिर्फ धार्मिक स्थान की मर्यादा पर प्रश्न चिन्ह है बल्कि उन माताओं बहनो पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है जोकि धार्मिक मेला आयोजन में मां जानकी का दर्शन करने आती है। महिला कांग्रेस कमेटी की जिला अध्यक्ष डॉ सीमा सुराना ने प्रशासन द्वारा किए गए राई नृत्यांगनाओ के एचआईवी टेस्ट कराये जाने पर, प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जानकी मां करीला धाम की राई नृत्यांगनाओं का एचआईवी टेस्ट कराना लाखों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था पर कुठाराघात करना है। एक महिला होने के नाते मुझे प्रशासन की इस मानसिकता पर सख्त ऐतराज है, भारतीय जनता पार्टी के शासन प्रशासन में ना केवल महिलाओं के ऊपर प्रश्न चिन्ह लगाया है बल्कि वहाँ आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के ऊपर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है जो की, वहाँ की महत्वता, विश्वास को शंका के घेरे में लाकर खड़ा करता है। प्रशासन द्वारा इस तरह की कार्यवाही करना, निंदनीय, अक्षम, पूर्णता अनुचित है। हजारों श्रद्धालु नंगे पांव भूखे प्यासे मां जानकी के दरबार में लंबी कतार में लगकर दर्शन करने पहुंचते है। लाखों श्रद्धालुओं के मन में उक्त कार्रवाई के बाद में जो नकारात्मकभावनाऐं जागृत होंगी उनका जिम्मेदार कौन होगा? धार्मिक आस्था के प्रतीक जानकी के स्थान पर प्रश्न चिन्ह बनाने वाले जिम्मेदार लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाना चाहिए। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान जी एक तरफ लाडली बहना योजना का शुभारंभ कर महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं वहीं दूसरी ओर धार्मिक आस्था और पौराणिक महत्वता का प्रतीक मां करीलाधाम मंदिर मेला की मुख्य सूत्रधार राई नृत्यांगनाओ के एच आई वी टेस्ट कराकर, सार्वजनिक रूप से महिलाओं का अपमान कराते है यह कहा तक उचित है। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह जी इसका जवाब आपको देना होगा, महिलाएं अपने आत्मसम्मान से समझौता नही कर सकती भा जा पा के शासनकाल में प्रशासन ने जो नारी जाति को अपमानित करने की जो साजिश की है उसका परिणाम आगामी चुनावों में, महिला अपमान एवं धार्मिक कुठाराघात के ,परिणाम के रूप में भुगतना पड़ेगा।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

दलित शोषण मुक्ति मंच (DSMM) भोपाल इकाई द्वारा दलितों पर किए जा रहे हमलों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कलेक्टर महोदय के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम अपना ज्ञापन सौंपा।

नागेश नरवरिया संपादक

दलित शोषण मुक्ति मंच आज प्रदेश के साथ पूरे देश में धरना प्रदर्शन कर सरकार की शोषण को पोषित करने वाली नीति के खिलाफ अपना आक्रोश दर्ज करा रहे हैं। प्रदेश में विभिन्न रूपों में मौजूद अस्पृश्यता की प्रथा, और अधिकांश हिस्सों में दलितों को जिस भेदभाव और हिंसा का शिकार होना पड़ता है, वह हमारे समाज पर एक धब्बा है और भारत के संविधान का पूरी तरह से उल्लंघन है। चिंता की बात यह है कि 2014 के बाद से पिछले कुछ वर्षों में भेदभाव और उल्लंघन के इन सभी स्वरूपों में बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश में नव-उदारवादी नीतियों को लागू करने, सार्वजनिक संपत्ति को बेचने, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के निजीकरण को आगे बढ़ाने और मजदूर वर्ग, किसानों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के अधिकारों पर निर्दयता से हमला हो रहा है। प्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि की तस्वीर, हालांकि आधिकारिक आंकड़ों से पूरी तरह स्पष्ट नहीं होती है क्योंकि अधिकांश मामले अभी भी दर्ज नहीं किए जाते हैं या रिपोर्ट नही होते हैं, क्योंकि उत्पीड़ित समुदाय की दयनीय स्थिति और पुलिस और प्रशासन की उदासीनता और पूर्वाग्रह इसके मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। दलितों के खिलाफ हिंसा के मामले प्रदेश में 44,469 दर्ज हुए परेशान करने वाली बात यह है कि पीओए अधिनियम में लंबित मामलों की दर बहुत अधिक है जो 2020 में 90 प्रतिशत थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले (जिसे बाद में संसद के एक अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया) के खिलाफ जब दलितों में गुस्से की लहर दौड़ गई तो स्वतस्फुर्त तरीके से अपने गुस्से का इजहार करने के लिए 2 अप्रैल को 'दलित

बंद' किया गया, और इस भारत बंद के खिलाफ राज्य और उच्च जाति के अपराधियों न जो हिंसा की वह सब हम जानते हैं। बंद के दौरान की गई हिंसा के ज़रिए दलितों को मारने या उन्हे अपंग बनाने के लिए किसी को न तो दंडित किया गया और न ही किसी पर मुकदमा लगाया गया था, उल्टे नाबालिगों सहित सैकड़ों दलितों को गिरफ्तार किया गया उन्हे पीटा गया और थानों में बंद कर दिया गया था। यही नहीं पुलिस दलितों के घरों में घुस गई, उन पर हमला किया और महिलाओं और बच्चों को गाली दी। दलितों को उचित रोजगार से वंचित किया जाता है। जबकि कुछ को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियां मिलती हैं, सरकार की उच्च श्रेणियों में केवल 4 प्रतिशत नौकरियां दलितों द्वारा भरी जाती हैं। दलितों में बेरोजगारी 2017-18 में 6.3 प्रतिशत से बढ़कर 2018-19 में 6.4 प्रतिशत हो गई, जबकि सामान्य बेरोजगारी दर 6.1 प्रतिशत से घटकर 5.8 प्रतिशत हो गई है। दलित महिलाओं और युवतियों को उनकी भलाई और आजीविका पर भी हमलों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एनएफएचएस (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण) की रिपोर्ट बताती है कि 25-49 आयु वर्ग की 55.9 प्रतिशत महिलाएं जो एनीमिया से पीड़ित हैं, वे दलित हैं। एक दलित महिला की मृत्यु की औसत आयु 39.5 वर्ष है जबकि उच्च जाति की महिलाओं की औसत आयु 54.1 वर्ष है (भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, 2013); 70.4 फीसदी दलित महिलाओं ने कहा है कि उन्हें पैसे की कमी या भेदभाव या जगह से दूरी के कारण स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है- उच्च जाति की 66.8 प्रतिशत महिलाओं की तुलना में 52.5 प्रतिशत दलित महिलाओं ने डॉक्टर की उपस्थिति में बच्चे को जन्म दिया; उच्च जाति की 15 प्रतिशत महिलाओं की तुलना में 25 प्रतिशत दलित महिलाएँ कुपोषित हैं। युवा दलितों को शिक्षण संस्थानों में भयानक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। सरकार के प्राथमिक विद्यालयों में दलित बच्चों को अलग खाना परोसा जाता है और वे उच्च जाति के बच्चों के समान बर्तनों का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। कई जगहों पर तो उन्हें शौचालय साफ करने और फर्श पर झाड़ू लगाने पर भी मजबूर किया जाता है और शिक्षक अक्सर उनके साथ बुरा व्यवहार करते हैं। यहां तक कि आईआईटी, मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी दलित छात्रों को भेदभाव और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है और कई तो इससे तंग आकर आत्महत्या भी कर लेते हैं। विभिन्न स्तरों पर अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के लिए धन में भारी कमी आई है। प्रदेश के अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय की हाल की घटना इसका जीता जागता प्रमाण है। प्रदेश में एस सी /एस टी सब प्लान को पूरी तरह धता बता कर एससी, एसटी और भूमिहीनों द्वारा भूमि तक पहुंच की रक्षा करने वाले कानूनों को कमजोर करने और / या बेअसर करने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उपायों का सहारा लिया जा रहा है। हम आपसे आग्रह करते है कि प्रदेश के दलितों व आदिवासियों के हित में हमारे राष्ट्रीय सम्मेलन में पारित निम्न मांग पत्र की मांगों को प्रदेश में पूरा करे व केंद्र से राष्ट्रीय स्तर पर इन्हे पूरा करने के लिए प्रयास

मांग-पत्र

पीओए अधिनियम को मजबूत किया जाए
निजीकरण बंद करो; सभी संविदा और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करो
निजी क्षेत्र में नौकरियों में अनिवार्य आरक्षण लागू किया जाए
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कोटा कम किए बिना दलित मुसलमानों और ईसाइयों के लिए आरक्षण का विस्तार किया जाए
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उपयोजना को पुनर्स्थापित करें और इसे अक्षरशः लागू करें
नई शिक्षा नीति को निरस्त करो
संस्थागत हत्या के खिलाफ कानून बनाया जाए
भूमि हदबंदी अधिनियम को लागू किया जाए और भूमिहीनों को भूमि वितरित की जाए।

रंगो के पर्व होली पर लोक गायकों एवं कवियों का सम्मान

मूलचंद मेधोनिया

लिंगा - करेली (नरसिंहपुर)। होली पर्व के अवसर पर जय महेश कृषि फार्म लिंगा बरमान रोड पर नर्मदा अंचल के विभिन्न लोक गायकों एवं कवि कलाकारों में लोक गायन विधा फाग की जोरदार प्रस्तुति दी। गायन कार्यक्रम के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश प्रसाद चौधरी रिटायर्ड डीआईजी द्वारा सभी लोक गायकों का मेडल ट्रॉफी एवं नगद राशि देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री महेश प्रसाद चौधरी ने कहा कि लोक संगीत एवं लोक कलाएं मानव की विरासत है परिस्थिति चाहे कितनी भी विकट क्यों ना हो लोक कला संस्कृति और समुदाय के इतिहास को भविष्य तक ले जाने का माध्यम बनते हैं आदिकाल से जब इतिहास को सहेजने के आधुनिक माध्यम विकसित नहीं थे तब लोग कल आए हैं मानवी परंपरा और इतिहास और जानकारियों को लेकर सदियों तक वीडियो के ज्ञान और शिक्षा का आधार बनती आई है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ विक्रम चौधरी ने सभी लोक कलाकारों का सम्मान एवं स्वागत करते हुए उन्हें सामाजिक जागरूकता का विशेष दूत बताया। डॉ चौधरी ने कहा कि लोक कलाकार सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करते हैं बल्कि समाज में जागरूकता और प्रचलित कृतियों का सामना करने का भी चुनौतीपूर्ण काम कर रहे हैं सरकारों को चाहिए कि लोक कलाकारों को चिन्हित कर उन्हें मानदेय आदि की व्यवस्था की जानी चाहिए। सम्मान प्राप्त करने वालों में सर्व से कवि सुनील मौर्य कुसमी, उमेश राज भीतली, कवि देवेंद्र हिंदुस्तानी शाहपुर, कवि लालजी भगत, कवि दिलीप दिलेर तीसरा, कवि प्रकाश भगत, कवि मंजू दास उमरपानी, कवि श्री सीता राम भारती जी कभी हल्कुल इंडियन शेरा सर्रा कवि श्री चरण दास प्रमुख रहे।

मृदंग पर संगत की भागचंद, मुकेश, राम सिंह और विनोद ने वही नगाड़ा पर हीरालाल, राजेश, रंजीत और प्रमोद ने ताल दी। बैंजो पर मास्टर नीरज संदेले गोपाल जाटव गाडरवारा ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। होली पर पर सम्मान कार्यक्रम का संचालन गोविंद प्रसाद जाटव हक्कू नेताजी ने किया और आभार लखन ठेकेदार धमेटा वालों ने माना। इस अवसर पर श्री हीरालाल चौधरी डॉक्टर मेहरबान सिंह राजा भाई तेंदूखेड़ा नन्हे प्रसाद हरिप्रसाद अहिरवार जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग जिला कांग्रेस कमेटी शंकर चौधरी भाजपा महामंत्री एडवोकेट अनूप चौधरी दशरथ चौधरी भामा लक्ष्मीबाई चौधरी लिखी राम चौधरी क्षेत्र के सैकड़ों सुधीश श्रोता एवं दर्शक मौजूद रहे।

वि. स. जतारा के वीरपुरा, रामराजा व पलेरा में कांग्रेस नेता सूरवंशी ने किया जनसम्पर्क

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार

जतारा (टीकमगढ़) क्षेत्र के जनप्रिय सीताशरण हीरालाल बैद्यराज सूरवंशी लिधौरा खास जतारा विधानसभा क्रमांक 44 के एक प्रतिष्ठित परिवार से है। जिनके पूर्वजों से ही क्षेत्र में लोकप्रियता जन ङ्क जन की जुबान पर सुनी जा सकती है। क्योंकि परिवार हमेशा समाज सेवा के कार्यो से जुड़ा रहा है। वहीं पुलिस विभाग में निरीक्षक के पद निर्वाहन करते हुए सीताशरण सूरवंशी ने हमेशा सही मायने में देश भक्ति जन सेवा का काम किया है। वहीं कांग्रेस जैसे देश की पार्टी के माध्यम से आमजन की छोटी से लेकर बड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा संकल्पित रहे है। परिणामस्वरूप इसी का नतीजा है कि वह तो जतारा के प्रबल दावेदार तो है ही अपितु जनता की मांग हो रही है कि अबकी ही एक बारी , सूरवंशी के है तैयारी÷ के शंखनाद अनुगूंजित हो रहा है। जतारा के वीरपुरा, रामराजा पहूँचे तो वहां के वरिष्ठ परिवार वीरेंद्र यादव के छोटे भाई श्री

शंकरदयाल यादव, श्री मन्ना जी के पुत्र बृजेन्द्र यादव के छोटे भाई की शादी समारोह में सैकड़ों लोगों से जनसम्पर्क होने का सोभाग्य प्राप्त हुआ। यादव परिवार के द्वारा आशीर्वाद प्राप्त हुआ। लोधी समाज के लोगों का समर्थन व आशीर्वाद मिलने के बाद श्री शंभू अग्रवाल नगर सेठ पलेरा श्री ओमपाल यादव और नगर पालिका अध्यक्ष श्री जयराम चढ़ार तथा वहां पर उपस्थित नगर के समस्त लोगों का दिल कांग्रेस के लिए और सीताशरण सूरवंशी जी को अग्रिम विजय होने का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस जनसम्पर्क की विशेष लोगों की यह रही कि हमारे क्षेत्र को अच्छा पढा लिखा, निष्ठावान, ईमानदार और एक प्रशासनिक अनुभवी कांग्रेस प्रत्याशी दे रही है। जो कि कांग्रेस के लिए और क्षेत्र के आने वाले उज्जवल भविष्य की देखा जा रहा है।

दूध में मिलावट करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ जिले में लगातार की जा रही कार्रवाई

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राजगढ़। 11 मार्च 2023 कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित के मार्गदर्शन में जिले में लगातार दूध में पाम ऑयल या अन्य मिलावटी पदार्थ मिलाकर जन सामान्य के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसमें अभी तक अलग-अलग दूध डेरियों पर कार्यवाही में 2600 लीटर दूध, 50 लीटर पाम ऑयल, 180 लीटर घी जप्त कर 50 से अधिक मिक्स मिल्क व घी, पनीर ,मावा व अन्य खाद्य पदार्थ के सैंपल विगत दो सप्ताह मे भोपाल व अन्य लैब में टेस्टिंग के लिए भेजे गए एवं दूध में पाम आयल व सोयाबीन तेल मिलाकर बेचने वाले आरोपी हेमराज विश्वकर्मा के खिलाफ एफ आई आर व रासुका की कार्यवाही भी की गई । हरिसिंह दांगी निवासी घोडाघेडा व शिबमू दूध डेयरी पदमपुरा पचौर का खाद्य लायसेंस रद्द किया गया है।

दिशा योजनांतर्गत वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता कार्यक्रम में हितग्राहियों को दी सौगाते

राजगढ़ से मुकेश अहिरवार की विशेष रिपोर्ट

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नईदिल्ली (नालसा) नईदिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) जबलपुर के निर्देषानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजगढ़ के अध्यक्ष माननीय श्री रत्नेष चंद बिसेन, प्रधान जिला न्यायाधीष के मार्गदर्षन में तहसील विधिक सेवा समिति एवं प्रषासन के समन्वय से दिनांक 11 मार्च 2023 को नृसिंह स्टेडियम नरसिंहगढ़ में दिषा योजनांतर्गत वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता षिविर का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष श्री शषिभूषण शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीष नरसिंहगढ़ की अध्यक्षता में श्री कपिलदेव काछी, व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड, श्री अंषुमन राज आई0ए0एस0 एस0डी0एम0, श्री उपेन्द्र सिंह भाटी, एस0डी0ओ0पी0 , श्री विजय शर्मा, अध्यक्ष अभिभाषक संघ, श्री धूलसिंह यादव एवं श्री जे0पी0 अग्रवाल की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती षिषुमंदिर की छात्राओं द्वारा दीप प्रज्जवलन व मां सरस्वती की स्तुति के गायन के साथ प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष श्री शषिभूषण शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीष नरसिंहगढ़ की अध्यक्षता में श्री कपिलदेव काछी, व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड, श्री अंषुमन राज आई0ए0एस0 एस0डी0एम0, श्री उपेन्द्र सिंह भाटी, एस0डी0ओ0पी0 , श्री विजय शर्मा, अध्यक्ष अभिभाषक संघ नरसिंहगढ़ द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया गया। वृहद विधिक जागरूकता एवं विधिक षिविर का आयोजन में श्री शषिभूषण शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीष के द्वारा बताया गया कि षिविर आयोजन का उद्देष्य आमजन को विधिक जानकारी प्रदान एवं हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ एक ही मंच पर किया जाना है। श्री अंषुमन राज एसडीएम के द्वारा लाड़ली बहना लक्ष्मी योजना एवं शासन की हितग्राही योजना एवं पात्रता की जानकारी दी गई। श्री उपेन्द्र सिंह भाटी एस0डी0ओ0पी द्वारा साईवर क्राइम व समाज में शांति बनाये रखने हेतु कानूनी व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता धूलसिंह यादव के द्वारा नातरा एवं झगड़ा कुप्रथा, श्री जे0पी0 अग्रवाल अधिवक्ता के द्वारा महिला के सषक्तिकरण एवं घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में विधिक जानकारी दी गई। मुख्य नगरपालिका अधिकार सुलताना मेडम के द्वारा नगरपालिका की योजनाओं की जानकारी दी एवं ब्लांक स्वास्थ्य अधिकारी श्री अहिरवार के द्वारा स्वास्थ्य विभाग की जानकारी दी गई म0प्र0 विद्युत मंडल डी0ई श्री पराग जी के द्वारा विद्युत संबंधी योजनाओं के बारे में आमजन को जानकारी प्रदान की गई षिक्षा विभाग के द्वारा षिक्षा संबंधी योजना की जानकारी से आमजन को अवगत कराया गया। इस आयोजन में प्रषासन के समस्त विभागों द्वारा भी अपने अपने स्टाल लगाए गए थे जिसमें कि प्रमुख तौर पर नगरपालिका नरसिंहगढ़, बोड़ा, कुरावर, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनपद पंचायत, सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, म0प्र0 विद्युतमण्डल, षिक्षा विभाग, पुलिस विभाग आदि के समन्वय से योजनाओं का लाभ दिलाया गया। इस अवसर पर नगरपालिका नरसिंहगढ़ के द्वारा 03 लाख रूपये दीनदयाल अनत्योदय स्वरोजगार योजना अंतर्गत स्वसहायता समूह वार्ड 01 थावरिया मिट्टी के बर्तन बनाने हेतु प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग नरसिंहगढ़ के द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण(संबला) एवं जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत 43 व्यक्तियों को 4,49000 रूपये की अनुदान राषि दी गई,कुल 05 हितग्राहियों को 3000/-राषि के चैक प्रदान किये गये एवं मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना एवं कर्मकार मंडल योजना अंतर्गत 02 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राषि हितग्राही हो प्राप्त हुई एवं 02 अन्य हितग्राही को कर्मचार मंडल का पंजीयन प्रदान किया गया। नगरपालिका नरसिंहगढ़ के तहत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 05 व्यक्तियों को 600 प्रति व्यक्ति की राषि स्वीकृत की गई।

सड़क पेयजल की मांग को लेकर विकास यात्रा के अगवानी में ग्रामीणों का सड़क जाम विरोध प्रदर्शन

ज्ञानचंद शर्मा डिंडोरी

डिण्डौरी। जिले के जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भाखा माल अमरपुर, अलौनी और झरनाघुघरी में विकास यात्रा कार्य कार्यक्रम संपन्न हुआ विकास यात्रा ग्राम पंचायत झरनाघुघरी पहुंचा विकास यात्रा के अगवानी में ही झरना घुघरी ग्राम पंचायत के आक्रोशित ग्रामीणों के व्दारा सड़क जाम विरोध प्रदर्शन किया गया क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और शासकीय अधिकारी कर्मचारी ने ग्रामीणों से विरोध प्रदर्शन का कारण जानने के लिए जानकारी लिए ग्रामीणों ने जानकारी में बताया की झरनाघुघरी भुरखा टोला और जैतपुरी एक ग्राम पंचायत हैं झरनाघुघरी से भुरखाटोला और भुरखाटोला से जैतपुरी तक सड़क नहीं होने के कारण वाहन नहीं आ जा सकते हैं , जिसके कारण ग्रामीणों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं , जिससे ग्रामीण परेशान हैं , जैसे अचानक कोई ग्रामीण बीमार हो गए तों सड़क के अभाव के चलते गांव तक समय में एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाता हैं तो मरीजों को समय रहते अस्पताल नहीं पहुंचाने के कारण समय में मरीजो का इलाज नहीं हो पाता हैं , जिससे ग्रामीणों को जान से हाथ धोना पड़ता जिसके अनेक उदाहरण ग्रामीणों ने सामने दिए हैं , जैतपुरी ग्रामीणों को लगभग सात आठ किलोमीटर घुमकर झरनाघुघरी ग्राम पंचायत मुख्यालय तक पहुंचना होता हैं, जबकि ग्राम पंचायत मुख्यालय झरनाघुघरी से भुरखाटोला होते हुए जैतपुरी की दूरी लगभग तीन किलोमीटर ही हैं , झरनाघुघरी से जैतपुरी तक सड़क बनाने के लिए अनेक बार मांग किए लेकिन ग्रामीणों की मांग आज तक पूरी नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला, शासन प्रशासन के व्दारा ग्रामीणों की मांग को नजर अंदाज किया जा रहा हैं , इसलिए पहले झरना घुघरी से जैतपुरी तक सड़क बनाने की मांग पूरी होने या इसी प्रकार से ही हैंड पंप हैं लेकिन हैंड पंपों से पानी निकलना बंद हो गया हैं , जिससे पेयजल के लिए ग्रामीण परेशान हैं । पेयजल की मांग पूरी होने पश्चात ही विकास यात्रा ग्राम पंचायत के अंदर प्रवेश करेंगी इस प्रकार की मूलभूत समस्याओं को ग्रामीणों ने विकास यात्रा में उपस्थित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों अधिकारियों कर्मचारियों और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी के समक्ष अपनी मांग रखा इतना ही नहीं बल्कि ग्रामीणों ने आवागवन बदहाल सड़क की हालत से भी अवगत कराया गया भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और शासकीय अधिकारी कर्मचारीयों के व्दारा समझाइश देकर आश्वासन दिया गया कि सड़क और पानी की समस्याओं का निराकरण बहुत जल्द होगा आश्वासन उपरांत विकास यात्रा मंच कार्यक्रम तक पहुंच सकीं विकास यात्रा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का फूल माला चंदन वंदन इत्यादि से जोरदार स्वागत किया गया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग की बैठक में भाग लिया रामरतन पटेल ने

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। दिनांक 16 मार्च 2023 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई इस महत्वपूर्ण बैठक में समस्त प्रदेशों की चेयरमैन कोऑर्डिनेटर ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर एवं प्रभारी उपस्थित रहे बैठक में मुख्य रूप से पिछड़ा वर्ग के प्रभारी श्री के राजू राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव ने यह बैठक ली बैठक में आगामी चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हुई रणनीति तैयार की गई एवं सभी को यथा उचित दिशा निर्देश प्रदान किए गए बैठक में मध्य प्रदेश से ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर श्री राम रतन पटेल प्रभारी छत्तीसगढ़ मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

महिला बाल विकास विभाग से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं मिनी कार्यकर्ताओं, ने अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

उदयपुरा से कमलेश नरवरिया की रिपोर्ट

वुलंद आवाज नारी शक्ति संघ मध्यप्रदेश के आव्हान पर रायसेन जिले की उदयपुरा तहसील में महिला बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं मिनी कार्यकर्ताओं ने तहसील प्रांगण में आकर अपनी मांगों को लेकर माननीय नायब तहसीलदार महोदय श्री दिनेश बरगले जी को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में मुख्य मांग है कि ।

1, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मिनी कार्यकर्ताओं को नियमित किया जाए
2 ,अन्य शासकीय कर्मचारियों की तरह सुविधाएं प्रदान की जाएं।
3, पूर्व हड़ताल के समय में काटा गया वेतन उनके खाते में हस्तांतरित किया जाए एवं माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में जो वेतन वृद्धि की गई थी उसका एरियस तत्काल भुगतान किया जाए। यदि उपरोक्त मांगों को शासन द्वारा नहीं माना जाता तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मिनी कार्यकर्ता,सहायिका, संघ द्वारा कलम बंद हड़ताल जारी की जाएगी।

मछली व्यापारी को थाने ले जाकर पुलिस कर्मियों ने बेरहमी से पीटा।

मछली व्यापारी नीलेश मालवीय का कहना है की ना ही मैंने पुलिस कर्मी से मारपीट की ना ही आटो चालक से मारपीट की पुरा मामला कमला नगर क्षेत्र नेहरू नगर चौराहे का है। मछली व्यापारी का कहना है की वो तो कार चालक से लिफ्ट लेकर जा रहा था। आटो आगे से कार मै टच हुआ पीछे से टक्कर नहीं मारी।कार चालक ने कार रोकी, ऑटो चालक और कार ड्राइवर के बीच तू-तू मैं-मैं हुई व्यापारी भी नीचे उतार गया । इसी बीच एक मौलाना ने व्यापारी से गाली गलौज की इसी बीच वहां खड़ा पुलिस कर्मी भी वहां आ गया। और मछली व्यापारी को पकड़ लिया मछली व्यापारी ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की माफी भी मांगी की मेरी कोई ग़लती नही है। लेकिन व्यापारी की एक ना सुनी। पुलिस ने मामले को बहुत बढा दिया। वहां खडी भीड़ ने व्यापारी को नहीं मारा ना बदतमीजी की लेकिन पुलिस ने व्यापारी से वहां चौराहे पर ही व्यापारी से मारपीट की और सारा इलज़ाम व्यापारी पर डाल दिया। व्यापारी नीलेश माफी मांगता रहा की उसकी कोई ग़लती नही है। लेकिन पुलिस ने उसकी एक ना सुनी और थाने ले आये थाने मैं भी बेल्टो ओर डंडे से मारपीट की। वायरल विडियो को भी पुरा नही दिखाया गया है विडियो से भी छेड़छाड़ करके वायरल किया गया है। मछली व्यापारी का कहना है की विडियो को पुरा दिखाया जाये जब सच समाने आयेगा । विडियो को भी कहीं पुरा नही दिखाया गया है। व्यापारी का कहना है की वह पुलिस प्रशासन का दिल से सम्मान करता है। लेकिन पुलिस का ऐसा रवैया व्यापारी की छवि को बदनाम कर रहा।। पुलिस प्रशासन से मेरी कोई शिक़ायत नहीं है। मैं बस आरक्षकों और एस आई पर कार्यवाही की मांग करता हूं । जिनने मुझसे बिना मेरी ग़लती के मारपीट की।

सामाजिक कार्यकर्ता संतोष मालवीय का कहना है।

पुलिस प्रशासन अपना काम ईमानदारी से करें मामले की सही तरीके से जांच करे क्योंकि किसी सम्माननीय व्यक्ति की छवि खराब करना ठीक नहीं है।।

सरकारी जमीन का प्लाट काटकर बेच डाली भू माफिया

बस्तर। जिले में शहर से लेकर गांव तक अवैध कब्जा किया जा रहा है नगर में इन दिनों सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का खेल खेला जा रहा है नगर की खाली पड़ी अधिकांश जमीनों पर भूमाफिया ने कब्जा कर लिया है इसमें नगर की बड़े भूमाफिया शामिल है। धरमपुरा क्षेत्र की सरकारी जमीनों पर बकायदा प्लाट काटकर उसका क्रय विक्रय किया जा रहा है जमीनों का क्रय करने वालों को पट्टा दिलाने का लालच देकर उनसे मुंह मांगा दाम और सुना जा रहा है भूमाफिया द्वारा कब्जे वाली अवैध जमीन को विक्रय करने के लिए खरीदारों को पट्टा दिलवाने का लालच दिया जा रहा है जिसमें फस कर लो उक्त अवैध जमीन को क्रय कर उस पर मकान इत्यादि बना रहे हैं।

कॉलेज के सामने लगभग डेढ़ एकड़ जमीन पर कब्जा

सरकारी पीजी कॉलेज के सामने प्रशासन की तकरीबन डेढ़ एकड़ से ज्यादा जमीन थी जिस पर भूमाफिया ने अवैध कब्जा कर जमीन की प्लॉटिंग कर उसे टुकड़ों में बेज दिया आज उक्त सरकारी जमीनों पर खरीदारों ने पक्की मकान बना ली है धरमपुरा में ही 5 एकड़ से ज्यादा जमीन भू माफिया के कब्जे में है। विगत वर्ष वहां की स्थानीय महिलाओं ने इस अवैध कब्जों को लेकर बस्तर कलेक्टर के सम्मुख शिकायत दर्ज कराई थी। भू माफिया के द्वारा सामुदायिक भवन के लिए आबंटित भूमि पर भी कब्जा कर लिया गया है और तो और भूमाफिया के द्वारा अशोका लाइफ स्टाइल पहुंच मार्ग पर स्थित शमशान की भूमि पर भी कब्जे का प्रयास किया जा रहा था।

चार बड़े हो माफियाओं का हाथ

धरमपुरा में सरकारी जमीन के पीछे चार बड़े भू माफियाओं की भूमिका सामने आ रही है इन्होंने सरकारी जमीन में कब्जा कर उसी पर दो से 3 मंजिला इमारत बना ली है और अपने आसपास के सारी नजूल भूमि पर कब्जा कर उस पर पट्टा दिलाने के नाम पर लोगों को लालच देकर उनसे जमीन का सौदा किया जा रहा है अब तक प्रशासन ने नगर में हो रहे अवैध कब्जों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की है जिसकी वजह से भू माफियाओं के हौसले बढ़े हुए हैं।

पार्षद ने बताई व्यथा

लोकमान्य तिलक वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद दयाराम कश्यप से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि दूसरे वार्ड और जगह के लोग आकर लगातार उनकी वार्ड में राजस्व की भूमि का अतिक्रमण कर रहे हैं उन्होंने उसी जनवरी में कलेक्टर को आवेदन देकर अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई करने हेतु दिया था पार्षद कश्यप के मुताबिक भू माफियाओं के हौसले इस कदर बड़े हुए हैं कि वह भूमाफिया पर अतिक्रमण की बात उसमें दो तीन मंजिला पक्का मकान की निर्मित कर रहे हैं।ठीक ऊसी तर्ज पर गुरूगोविंद सिह, वार्ड, अब्दुल कलाम वार्डों में भी शासकीय जमीनो पर आपराधिक तत्वों को सामने करके भूमाफिया सक्रिय हैं। तथा खरीदी बिक्री का खेल जोरों से चल रहा है, किन्तु सामुदायिक भवन, आंगनबाड़ी,राशन दुकानों के लिए जगह नहीं है।

मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने ग्रामीण को उतारा मौत के घाट

लक्ष्मण पिल्लई बस्तर

गरियाबंद। अमलीपदर थाना क्षेत्र के खरीपथरा के रहने वाले एक ग्रामीण की नक्सलियों ने हत्या कर दी है. रामदेव को शनिवार रात तीन वर्दीधारी नक्सली अगवा कर ले गए थे. रविवार जब घर वाले जंगल की ओर ढूंढने निकले तो अमलिपदर थाना से करीब 15 किलोमीटर दूर ओड़िशा-नवरंगपुर जिले की सीमा से सटे जंगल में उसका शव पड़ा हुआ मिला. इसके अलावा मौके पर नक्सलियों के फेंके गए पर्चे भी मिले हैं. जिसमें उदंती एरिया कमेटी ने मुखबिर होने के कारण मौत की सजा देने का उल्लेख किया है. एसडीओपी अनुज गुप्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक के शरीर में बाहरी चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं. ऐसा लगता है कि रस्सी से गला घोंटा गया होगा,फिलहाल शव के पीएम के बाद ही कारण स्पष्ट हो सकेगा. मामले में अज्ञात नक्सलियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. एसडीओपी ने कहा कि ओड़िशा-सीमावर्ती इलाकों में नक्सली मूवमेंट है. जिले में लगातार सर्चिंग किया जा रहा है।

संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय पदाधिकारी कल होगें भोपाल से रवाना

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। गटई चर्मकार समाज कामगार संघ महाराष्ट्र के तत्वावधान में संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी एवं छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती समारोह महाराष्ट्र के ठाणे में राज्य स्तरीय सम्मेलन का विशाल आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख उपस्थित माननीय श्री एकनाथ शिंदे जी मुख्यमंत्री महाराष्ट्र राज्य होगें। जबकि विशेष अतिथि के रूप माननीय श्री जोगेंद्रनगर कवाडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष पीआरपी, माननीय डॉ. श्रीकांत शिंदे खासकर कल्याण लोकसभा, माननीय नानासाहेब इंदिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष रिपाई एकता वादी, माननीय श्री जयदीप कवाडे साहेब कार्याध्यक्ष पीआरपी की गरिमामयी उपस्थित होगी। चर्मकार समाज कल्याण संघटना के राष्ट्रय अध्यक्ष श्री राजाभाऊ चव्हाण ने बताया कि इस आयोजन में सम्पूर्ण में महाराष्ट्र के चर्मकार सामाजिक बन्धुओं की उपस्थिति रहेगी। तथा मध्यप्रदेश में संत रविदास समाज का राष्ट्रीय प्रतिनिधि संगठन सतगुरु रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री महेश नंदमेहर जी एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी माननीय श्री मूलचन्द मेधोनिया जी सहित फाउंडेशन के राष्ट्रीय पदाधिकारीगणों को आमंत्रित किया गया है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से श्री महेश नंदमेहर जी के नेतृत्व में मूलचन्द मेधोनिया, रामविलास तिलवारी, सीमा राठौर, शोभाराम गनोरे, नारायण राठौर इत्यादि ठाणे में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए कल दिनांक 17 मार्च को रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि देश के इतिहास में प्रथम बार अन्तरराष्ट्रीय चमार अधिवेशन दिल्ली में 4 अप्रैल 2023 को होने जा रहा है। जिसमें भारत के कोने-कोने से सामाजिक बन्धुओं को पहुंचाना है।

भाजपा और कांग्रेस में सिर का बाल और मूंछ में लगा दाव

■ जब तक कांग्रेस सरकार नहीं हटती, बाल नहीं कटवाएंगे साय, उधर मंत्री भगत ने कहा- सरकार नहीं आई, तो मुंडवा लूंगा मूंछें

लक्ष्मण पिल्लई की रिपोर्ट

रायपुर (युवा प्रदेश)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद नंदकुमार साय के बाल नहीं कटवाने वाले बयान पर प्रदेश के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि नंदकुमार बाल नहीं कटवाने का बयान देकर खुद के साथ धोखा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में अगर हमारी सरकार वापस जीतकर नहीं आती है, तो वे अपनी मूंछ मुंडवा देंगे। दरअसल, साय ने ये दृढ़ प्रतिज्ञा ली है कि जब तक प्रदेश से कांग्रेस सरकार नहीं हटती, वे बाल नहीं कटवाएंगे। साय को भरे मंच पर बुलाकर पूर्व सांसद रामविचार नेताम ने यह ऐलान किया था। इसी बयान पर निशाना साधते हुए मंत्री अमरजीत भगत ने भी ये ऐलान कर दिया है कि अगर इस बार उनकी पार्टी की सरकार नहीं बनती है, तो वे अपनी मूंछ मुंडवा लेंगे। अमरजत भगत ने कहा कि उनकी सरकार ने छत्तीसगढ़ की जनता के लिए बहुत काम किया है, इसलिए कांग्रेस को जीत जरूर मिलेगी। बीजेपी में आदिवासियों का कोई महत्व नहीं है। लंबी-लंबी डींगे हांकने से कुछ नहीं होता। पिछले 15 साल उनकी सरकार थी, हम सभी लोगों ने देखा कि आदिवासियों का हश्र बहुत बुरा हुआ। उन्होंने कहा- बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष उस वक्त विष्णुदेव साय थे और उन्हें विश्व आदिवासी दिवस यानि 9 अगस्त को ही पद से हटा दिया गया। ये आदिवासियों का अपमान है। भगत ने कहा कि केवल कांग्रेस पार्टी ने ही आज तक आदिवासियों को सम्मान दिया है। देश की आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने ही इन्हें आरक्षण दिया। शिक्षा और नौकरी में भी आदिवासी आगे बढ़ रहे हैं। अमरजीत भगत ने कहा कि क्यों छत्तीसगढ़ में आरक्षण का संवैधानिक आधार ढह गया है। विधानसभा में 32त्न आरक्षण के लिए बिल पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया, भारतीय जनता पार्टी का नेता चाहे वह आदिवासी ही क्यों ना हो, एक बार भी राज्यपाल के पास आरक्षण बिल को पारित करवाने के लिए ज्ञापन नहीं दिया। ना कोई स्टेटमेंट दिया, ना ही केंद्रीय मंत्री या प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति से इस बारे में बात की। आरक्षण को रोकने में बीजेपी मुख्य भूमिका निभा रही है।

16 मार्च को अपनी मांगों को लेकर एक दिवसीय संभागीय कोटवारों का धरना प्रदर्शन

लक्ष्मण पिल्लई की रिपोर्ट

जगदलपुर (युवा प्रदेश)। नाम मात्र की मानदेय में वृद्धि से प्रदेश के 16000 कोटवार खुश नहीं हैं। इसलिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश में गुरूवार को अपने-अपने संभाग में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर आयुक्त व कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देंगे। ज्ञातव्य है कि बजट में कोटवारों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हुई थी परंतु प्रमुख मांगों के संदर्भ में मुख्यमंत्री द्वारा कोई घोषणा ना कर नाम मात्र के मानदेय वृद्धि की घोषणा की गई है। जिससे कोई कोटवार खुश नहीं है 23 फरवरी 2019 को पाटन के सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थी कोटवारों को नियमित करते हुए राजस्व विभाग में संविलियन करना एवं मालगुजारी भूमि को भूमि स्वामी हक में पुनः दिया जाना शामिल था, परंतु दोनों प्रमुख समस्याओं का समाधान ना कर मानदेय के नाम मात्र के वृद्धि किए जाने की घोषणा को लेकर कोटवार असंतुष्ट है ।जिसके फल स्वरुप मुख्यमंत्री वादा निभाओ रैली एवं धरना प्रदर्शन कर प्रदेश के कोटवार अपना रोष प्रकट करने अपने अपने संभाग मुख्यालय में उपस्थित होंगे। इस आंदोलन हेतु 6 संभाग मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन होगा जो कि आजादी के पूर्व से कोटवार पीढ़ी दर पीढ़ी शासन की अंतिम कड़ी के रूप में ग्रामीण स्तर पर रहकर निष्ठा पूर्वक अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं।परंतु विडंबना है कि कोटवारों को आज तक नियमित कर्मचारी का दर्जा प्रदान नहीं हो पाया है चुनाव पूर्व कांग्रेश घोषणा पत्र में इस बात का उल्लेख किए जाने के बाद भी शासन द्वारा कोई पहल नहीं किया गया जिसके कारण प्रदेश के कोटवारों में शासन के प्रति असंतोष व्याप्त है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ के बजट मानदेय में नाम मात्र का विधि किया गया जो नाकाफी है। इसमें कोटवारों को कोई खुशी नहीं है वैसे ही भूतपूर्व मालगुजारो द्वारा दी गई माफी जमीन जो कि मुख्यमंत्री के अपने राजस्व मंत्री के कार्यकाल में मालिकाना हक दिया गया था वह जमीन भाजपा शासनकाल में वापस ले ली गई थी उसे वापस हक में देने हेतु मुख्यमंत्री ने कोटवारों के प्रांतीय सम्मेलन में वादा किया था जो वर्तमान समय तक पूरा नहीं किया गया है। प्रांतीय कोटवार एसोसिएशन संघ के संभागीय अध्यक्ष चन्द्रोराम बघेल एवम जिला अध्यक्ष धर्मदास कश्यप ने कहा कि अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की कवायद चल रही है तथा आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाकर उन्हें सौगात भी दे दिया गया ।पर 75 वर्ष स्वतंत्रता के बीत जाने के बाद भी कोटवार आज अपनी गुलामी की जिंदगी जीने को मजबूर हैं।जिनकी ओर ध्यान नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है।

गरीब आदिवासी झुमरू कश्यप को आखिर मिल गया आशियाना..

लक्ष्मण पिल्लई की रिपोर्ट

बस्तर। जिले की भानपुरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत भानपुरी के ग्राम रतेंगा 2 निवासी कंडरा आदिवासी समुदाय के ग्रामीण झुमरू राम कश्यप का कच्चा मकान बीते मानसून सीजन के दौरान बरसात में ढह गया था। मकान में रखे कपड़े, बर्तन, अनाज, कुछ नकदी रकम और अन्य सामान पूरी तरह नष्ट हो गए थे। तब इस परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। बांस से टोकरी, सूपा, झांउंहा आदि बना और बेचकर परिवार का भरण पोषण करने वाले झुमरू के सारे औजार भी तबाह हो गए थे, लिहाजा वह नए सिरे से अपना परम्परागत व्यवसाय को भी शुरू नहीं कर पा रहा था। एक तरफ छांव की दरकार थी, तो दूसरी तरफ व्यवसाय फिर से शुरू करने की चुनौती। इन सबसे जूझते हुए झुमरू राम कश्यप ने ग्राम पंचायत के एक भवन के बाजू में वाहनों की पार्किंग के लिए बनाए गए टीन शेड को अपना ठौर बना लिया। महज 12 वर्ग फीट के टीन शेड में झुमरू राम, उसकी पत्नी सुकाली बाई, बेटी कमली व प्रमिला तथा बेटे परमेश्वर किसी तरह दिन व्यतीत करते आ रहे थे। बच्चे पढ़ाई करते हैं, लिहाजा टीन शेड के एक हिस्से को पुरानी साड़ी का पर्दा लगाकर बच्चों के लिए अध्ययन कक्ष बना लिया गया था। शेष भाग को रसोई घर और शयन कक्ष के रूप में यह परिवार उपयोग करता आ रहा था। इस समाचार पत्र ने जब झुमरू राम कश्यप की व्यथा को उजागर किया, तब बस्तर जिला प्रशासन ने फौरी मदद के रूप में 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। बाद में मकान निर्माण के लिए कलेक्टर चंदन कुमार ने झुमरू राम को और मदद भेजी। झुमरू राम ने स्वयं तथा उसकी पत्नी सुकाली बाई व भतीजे ने मिलजुल कर मकान निर्माण शुरू किया। एसबेस्टस की शीट वाले छोटे छोटे दो कमरों का पक्का मकान तैयार कर लिया गया है। अभी मकान में दीवारों के प्लास्टर का काम बाकी है। झुमरू राम व उसके भतीजे ने बताया कि नया मकान बन जाने से पूरा परिवार बहुत खुश है। झुमरू राम व सुकाली बाई ने कलेक्टर चंदन कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर कुमार और बस्तर के अनुविभागीय दंडाधिकारी वर्मा ने सदाशयता दिखाई है, हम उनका यह एहसान जिंदगी भर नहीं भूलेंगे। झुमरू राम ने कलेक्टर चंदन कुमार और एसडीएम वर्मा से पैतृक व्यवसाय शुरू करने के लिए बांस और औजार खरीदने के लिए भी आर्थिक मदद की गुजारिश की है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में अभिव्यक्तियोजना अंतर्गत जागरूकता अभियान बस्तर पुलिस ने चलाया

लक्ष्मण पिल्लई की रिपोर्ट

जगदलपुर (युवा प्रदेश)। श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जगदलपुरअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगदलपुर एवं एसडीओपी लौहंडी गुड़ा के निर्देशन पर आज दिनांक 15.3. 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर अभिव्यक्ति योजना अंतर्गत जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत चौकी घोटिया स्टॉप द्वारा ग्राम बड़े चकवा साप्ताहिक बाजार करने वालों को ÷अभिव्यक्ति ऐप÷ डाउनलोड करने ,साइबर संबंधित फ्रॉड से बचने ,यातायात नियमों का पालन करने , महिला व मानव तस्करी, नशा मुक्ति ,पीडित क्षतिपूर्ति योजना की जानकारी दी गई। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो के नाम पर जमकर उगाही

लक्ष्मण पिल्लई की रिपोर्ट

जगदलपुर(युवा प्रदेश)। बस्तर जिला की शिक्षा विभाग के बिना आदेश की ब्लॉक की 108 स्कूलों में छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो पर ?500 की दर से खरीदने की बाध्यता बीईओ और बीआरसी ने कर दी है। इस पर तुर्रा की स्कूलों को कम से कम 2 फोटो लेना जरूरी है मजबूर शिक्षक इसी खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं खड़ी स्टोर समन्वय कार्यालय की मिलीभगत बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि फोटो विक्रय की राशि शिक्षा विभाग अकाउंट की निजी खाते में गई है।

शिक्षकों ने आपत्ति जताई लेकिन अधिकारी के आदेश के सामने शिक्षक नतमस्तक हो गए हैं। बीईओ मोतीराम कश्यप से जानकारी चाही गई तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। और उन्होंने कहा कि मुझ से पूर्व शिक्षा अधिकारी द्वारा यह कृत्य किया गया है कह कर पल्ला झाड़ दिया। बिना आदेश खरीदी पर कार्यवाही का आश्वासन जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि इस प्रकार की उन्हें जानकारी नहीं है परंतु सूचना तो मिली थी उन्होंने बताया कि जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है अकाउंट शिक्षा विभाग द्वारा छायाचित्र का मनमाने ढंग से विक्रय किया जा रहा है उन्होंने यह भी बताया कि राज्य शासन के द्वारा भी इस प्रकार कोई आदेश अब तक प्राप्त नहीं हुआ है बिना आदेश के ही सप्लाई की जा रही है इस पर कड़ी कार्रवाई करने का उन्होंने आश्वासन दिया है।

कलेक्टर श्री चंदन कुमार ने किया बास्तानार विकासखंड में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण।

लक्ष्मण पिल्लई बस्तर

जगदलपुर। कलेक्टर श्री चंदन कुमार ने बुधवार को बास्तानार विकासखंड में संचालित विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। उन्होंने बास्तानार के समीप बन रहे रेस्ट हाउस, ईरपा के देवगुड़ी, मुतनपाल के स्वास्थ्य केंद्र, उचित मूल्य की दुकान में राशन की उपलब्धता, अमृत सरोवर के कार्य, बड़े किलेपाल में संचालित आईटीआई भवन व अन्य भवन के विकास कार्यों और कोड़ेनार में निर्माणधीन ग्रामीण औद्योगिक पार्क का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने देवगुड़ी के जीर्णोद्धार कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कर परिसर में सौदर्यीकरण व वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर इसके उपरांत अति संवेदनशील क्षेत्र में स्थित मुतनपाल पहुंचे, जहाँ पर उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पहुंचे कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार के संबंध में जानकारी ली। स्वास्थ्य केंद्र में दी जा रही सेवाओं, बाह्य रोगी की पंजी, मरीजों की दी जाने वाली दवाईयों, दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सक और स्टाफ की जानकारी ली। उपचार के लिए पहुंचे ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने

मुतनपाल में उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण कर चावल की बोरी में अनाज की मात्रा का तौल करवाया और सेल्समैन से राशन के भंडारण की जानकारी भी ली। उन्होंने पीडीएस दुकान के समीप स्थित पंचायत के खाली भवन को उचित मूल्य की दुकान हेतु उपयोग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मांढर नदी के समीप निर्माण किए जा रहे अमृत सरोवर के कार्य का अवलोकन किया। सरोवर के बंड में शहतूत के पौधों का रोपण और अरहर के बीजों का छिड़काव करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बड़े किलेपाल में संचालित आईटीआई भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान संस्था में पढ़ाई कर रहे बच्चों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए इनके शीघ्र निराकरण की बात कही। कलेक्टर ने भवन में विद्युतीकरण के कार्य का अवलोकन कर परिसर को सुरक्षित करने हेतु घेराव करने, निर्माणधीन अन्य भवनों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत कोड़ेनार में तैयार की जा रही रीपा प्रोजेक्ट का अवलोकन किया। इस दौरान रीपा के लिए निर्माण की जा रही शेडों का निरीक्षण कर मशीनरी की स्थापना, कार्य करने वाली महिला समूहों का प्रशिक्षण, परिसर के अन्य विकास कार्य को 25 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। रीपा के अंतर्गत महिला समूह द्वारा कोदो का प्रसंस्करण कर रही सदस्यों से कलेक्टर ने की चर्चा। इस दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी तोकापाल ऋतुराज बिसेन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरके चतुर्वेदी, प्रभारी तहसीलदार कैलाश पोयम, सीईओ जनपद आर के कर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

नगर निगम की बजट मीटिंग 21 मार्च को

भोपाल। नगर निगम की बजट मीटिंग 21 मार्च को होगी। इसमें ऐशबाग स्टेडियम और सड़कों के नाम बदलने समेत विंड प्रोजेक्ट के प्रस्ताव रखे जाएंगे। पूर्व ष्टरूस्व. बाबूलाल गौर और ग्रुप कैप्टन शहीद वरुण सिंह के नाम पर सड़कें होंगी, जबकि ऐशबाग स्टेडियम का नाम भोपाल के पूर्व सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता स्व. कैलाश नारायण सारंग के नाम से करने का प्रस्ताव भी लाया जाएगा। इसके अलावा नीमच में प्रस्तावित विंड प्रोजेक्ट को फिर से मीटिंग में रखने का प्लान है। हालांकि, विंड प्रोजेक्ट और एजेंडे में शहर विकास से जुड़े मुद्दों को शामिल नहीं किए जाने से कांग्रेसी पार्षद नाराज हैं। इसके चलते मीटिंग में हंगामा भी हो सकता है। बजट करीब 3200 करोड़ रुपए का होगा। मीटिंग का एजेंडा जारी होने पर विपक्ष ने कड़ा ऐतराज जताया है। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी का कहना है कि जनता से जुड़े 22 संकल्प शामिल नहीं किए गए हैं। ये बजट मीटिंग में नहीं तो कब आएंगे। बता दें कि बजट मीटिंग को लेकर पिछले एक महीने से मंथन का दौर जारी है। नगर निगम के चुनाव के बाद यह परिषद का पहला बजट रहेगा। बजट का एजेंडा जारी कर दिया गया है।

भोपाल-मंदसौर में ओले गिरे, MP में फिर बदला मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर मौसम बदल गया है। भोपाल में गुरुवार शाम कुछ इलाकों में ओले गिरे। तेज बारिश भी हुई। यहां अयोध्या बायपास क्षेत्र में करीब पांच मिनट तक ओलावृष्टि हुई। नीमच और विदिशा में भी तेज बारिश हुई। रायसेन-सागर में भी बूंदाबांदी हुई। मंदसौर के पिपलियामंडी क्षेत्र में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे। गुना में भी बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग की मानें, तो नए सिस्टम के कारण बारिश हो रही है। बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मार्च की शुरुआत में पांच दिन तक तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी ने 20 से ज्यादा जिलों में गेहूं-चने और सरसों की फसलें बर्बाद कर दी थी। अब फिर से मौसम बदला है। 16 से 20 मार्च के बीच प्रदेशभर में तेज बारिश, ओले गिरने और तेज आंधी चलने की आशंका है। इस कारण शाजापुर, उज्जैन, विदिशा, नर्मदापुरम, हरदा, सीहोर समेत कई जिलों में किसान गेहूं की फसल पहले ही कटवाकर सुरक्षित रख रहे हैं। यह प्रदेश में गेहूं उत्पादन के बड़े जिले हैं।

पत्नी-बेटे की हत्या वाले बका पर SI के फिंगर प्रिंट

भोपाल। भोपाल पुलिस मुख्यालय की स्पेशल ब्रांच के एसआई सुरेश खांगुड़ा और परिवार की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी लीड मिल सकती है। जांच में पता चला है कि जिस बका (बड़ा चाकू) से एसआई की पत्नी कृष्णा, बेटे इवान की हत्या की गई थी, उस बका पर से एसआई के फिंगर प्रिंट मैच हुए हैं। फिंगर प्रिंट यूनिट की जांच रिपोर्ट ने इसका खुलासा किया है।

मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों के 103 नमूनों की रिपोर्ट जारी

भोपाल। प्रदेश में 2 मार्च से खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा नकली-मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों की रोकथाम के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में अब तक दूध और दूध से बने उत्पादों के 8083 नमूने लिए गए हैं। राज्य खाद्य प्रयोगशाला द्वारा 310 लीगल नमूनों में से 103 की रिपोर्ट जारी की गई है। इनमें 83 नमूने मानक, 17 अमानक, 02 मिथ्याछाप स्तर के पाये गये। भिण्ड जिले से प्राप्त दूध का एक नमूना जाँच में असुरक्षित पाया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉ. सुदाम खाड़े ने बताया कि विशेष अभियान में नकली-मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों का निर्माण, संग्रह और विक्रय करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा रही है। नकली - मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों के निर्माण तथा विक्रय से जुड़े 2 संस्थान के लाइसेंस निरस्त किए गए और 4 संस्थान के विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराए गए हैं।

चलित खाद्य प्रयोगशाला और मैजिक बॉक्स से आमजन द्वारा दैनिक उपयोग में लिये जा रहे दूध एवं दुग्ध उत्पादों की मौके पर जाँच भी की जा रही है।

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लायें : राज्य मंत्री कुशवाह

भोपाल

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लायें। राज्य मंत्री श्री कुशवाह गुरूवार को विधानसभा परिसर में मध्यप्रदेश राज्य कृषि उद्योग विकास निगम के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में भी कुछ योजनाओं में लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि कम है। उन्होंने कहा कि अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तु-स्थिति पर अपना प्रतिवेदन दें। जिन अधिकारियों के उदासीन रवैये के कारण 100 फीसदी लक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि वे योजनावार कार्य की समीक्षा करेंगे। एमडी एम.पी. एग्रो श्री संजय गुप्ता, संचालक उद्यानिकी सुश्री निधि निवेदिता और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 2661 उद्यानिकी किसानों को नई तकनीक से अवगत कराया

भोपाल

प्रदेश के उद्यानिकी कृषकों को खेती की नई तकनीक और उससे होने वाले लाभ से अवगत कराने जिले, प्रदेश और प्रदेश के बाहर भ्रमण करा कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 2661 किसान को प्रशिक्षण दिया गया। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में विधानसभा परिसर में हुई उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह जानकारी दी गई। विधायक सर्वश्री मनोज चावला, सुभाष रामचरित, गोपाल सिंह चौहान, अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन. कंसोटिया उपस्थित थे।

संचालक उद्यानिकी सुश्री निधि निवेदिता ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग की योजनाओं की प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। फल पौध-रोपण योजना में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 247 हेक्टेयर में पौध-रोपण के लिये किसानों को 3 करोड़ 84 लाख 31 हजार रूपये का अनुदान दिया गया है। मसाला क्षेत्र विस्तार योजना में 28 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों के उत्पादन के लिये कृषकों को अनुदान दिया गया है। व्यवसायिक उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती प्रोत्साहन योजना में 10 हजार 677 हेक्टेयर क्षेत्र में खेती के लिये किसानों को सहायता दी गई है। उद्यानिकी खाद्य प्र-संस्करण योजना में एक करोड़ 88 लाख 23 हजार रूपये का अनुदान दिया गया है। बताया गया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में 4 हजार 240 कृषक को लाभान्वित किया गया है। युवाओं को माली प्रशिक्षण कार्यक्रम में 5 प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गौ-शालाओं को उद्यानिकी रोपणियों के साथ जोड़ा जा रहा है। इस परियोजना में 10 संभाग मुख्यालयों के जिलों की उद्यानिकी रोपणियों के साथ 10 गौ-शालाओं को जोड़ा गया है। रोपणी उन्नयन योजना में प्रदेश की 14 रोपणियों के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। प्याज भंडार गृह, राइपनिंग चेम्बर, कोल्ड-रूम, पैक हाउस, प्लास्टिक लाइनिंग ऑफ फार्म पोण्ड, उच्च तकनीक से पान की खेती, संरक्षित खेती, फल क्षेत्र विस्तार, संकर सब्जी और पुष्प क्षेत्र विस्तार योजना, जैविक खेती, चैनलिंक फेंसिंग और एमआईडीएच की प्रगति की जानकारी दी गई। एमडी एमपी एग्रो श्री संजय गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 3 अवैध कॉलोनियों में चली JCB

भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को जिला प्रशासन ने अवैध कॉलोनियों को लेकर बड़ी कार्रवाई की। 3 अवैध कॉलोनियों में बाउंड्रीवॉल-गेट तोड़ दिए गए। इन कॉलोनियों की नगर निगम और TNCP (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) से परमिशन नहीं ली गई थी। इसके चलते यह कार्रवाई की गई। ये कॉलोनियां केंद्रीय जेल के पास विकसित की जा रही थी। इनमें अवैध रूप से प्लाटिंग भी हो रही थी। जिसमें बाउंड्रीवाल, सीसी रोड और ड्रेनेज बनाकर प्लॉट काटे जा रहे थे जबकि इसके लिए किसी प्रकार की कोई अनुमति संबंधित व्यक्तियों द्वारा नहीं ली गई थी। बैरागढ़ स्ठरू मनोज उपाध्याय ने बताया कि कॉलोनीनाइजर ने नगर निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी। बैरागढ़ एसडीएम उपाध्याय ने बताया, कलेक्टर अविनाश लवानिया के निर्देश पर जिले में अवैध कॉलोनियों की जांच की जा रही है। इसके चलते ही गुरुवार को तीन अवैध कॉलोनियों में कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया आरके जैन 2 एकड़ में, मुर्तजा गैलेक्सी ग्रीन 2 एकड़ में और पप्पू मेहरा 3 एकड़ में निजी भूमि पर नगर निगम और टीएनसीपी की अनुमति के बिना कॉलोनी विकसित कर रहे थे। नगर निगम के अमले के साथ उक्त अवैध कॉलोनियों को बुलडोजर से निर्माणाधीन कॉलोनी की दीवार और अन्य निर्माण को हटाया गया।

प्रभावित परिवार को 10 लाख रूपये की सहायता

महू की घटना की होगी मजिस्ट्रियल जाँच - मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर जिले के महू में हुई घटना की मजिस्ट्रियल जाँच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को 10 लाख रूपए और बड़े बेटे को नगर परिषद में शासकीय नौकरी दी जाएगी। परिवार के तीन बच्चों की समुचित शिक्षा के लिए जनजातीय छात्रावासों में संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी। पीड़ित परिवार के पास प्रधानमंत्री आवास योजना में पहले से ही आवास है, उसे रेनोवेट कराने की व्यवस्था भी की जाएगी। मृतक के दाह संस्कार के लिए भी जिला प्रशासन द्वारा व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर जारी संदेश से दी।

इंदौर कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के निर्देश पर मृतक श्री भेरूलाल के परिजन को 10 लाख रूपये की सहायता राशि का चेक प्रभावित परिवार के गाँव पहुँच कर परिजन को प्रदान कर दिया गया है। कलेक्टर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी रात में ही घटना स्थल पर पहुँच गये थे। पुलिस थाना में पथराव और गोली चालन से श्री भेरूलाल की मृत्यु की घटना की मजिस्ट्रियल जाँच अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री अजय देव शर्मा को को सौंपी गई है। साथ ही 5 थाना क्षेत्रों में धारा 144 प्रभावशील करते हुए रैली, धरना, प्रदर्शन आदि पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त रूप से दंडाधिकारी तैनात किये गये हैं।

हरदा छोटा लेकिन विकसित और समृद्ध जिला : राज्यपाल पटेल

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हरदा छोटा जिला होने के बाद भी विकसित और समृद्ध जिला है। यहाँ के लोग परिश्रमी हैं। वे विकास की दौड़ में अपना समस्त योगदान देने के लिये तत्पर दिखाई देते हैं। यह बात राज्यपाल श्री पटेल ने गुरूवार को हरदा जिले के दौरे पर ग्राम रहटगांव और केलझिरी के ग्रामीणों को कई सौगातें देते हुए कहीं। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हरदा विकास के मार्ग पर अग्रसर है। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्राम रहटगांव में 29 करोड़ 33 लाख रूपये के एकलव्य आवासीय विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। केलझिरी में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किये। स्थानीय सासंद श्री डी.डी. उइके, टिमरनी विधायक श्री संजय शाह और अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्राम रहटगांव में एकलव्य आवासीय विद्यालय भवन की सौगात देते हुए कहा कि बच्चों को अपने क्षेत्र के साथ ही प्रदेश और देश का नाम रौशन करने के लिये खूब पढ़ना-लिखना है। शिक्षा ही आगे बढ़ने के मार्ग को प्रशस्त करती है। उन्होंने बताया कि आज प्रदेश के सभी 52 जिलों में उनके दौरे पूर्ण हो गये हैं। ग्राम केलझिरी में राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि उन्होंने अभी तक जितने आँगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण किया है, उनमें केलझिरी का आँगनवाड़ी केन्द्र सबसे सुन्दर और व्यवस्थित है।

श्रीलंका की हार का फायदा मिला

भारत लगातार दूसरी बार WTC के फाइनल में, जून में ऑस्ट्रेलिया से होगा मुकाबला

नई दिल्ली

क्राइस्टचर्च टेस्ट में न्यूजीलैंड के हाथों श्रीलंका की हार के बाद भारत WTC, यानी कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गया है। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम का सामना 7 जून से 11 जून के बीच ऑस्ट्रेलिया से होगा।

सोमवार को न्यूजीलैंड ने WTC के एक अहम मुकाबले में श्रीलंका को 2 विकेट से हरा दिया। इसके बाद टीम इंडिया का रास्ता साफ हो गया। WTC टूर्नामेंट के टेबल में ऑस्ट्रेलिया टॉप पर है, जबकि भारत ने दूसरे नंबर पर रहते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जो लंदन स्थित ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके लिए ICC ने एक रिजर्व डे रखा है। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा सीजन है।

भारत ने इससे पहले 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल खेला था। तब कीवी टीम ने साउथैम्टन में भारत को 8 विकेट से हरा दिया था।

श्रीलंका के हारने से टीम इंडिया को फायदा हुआ है। श्रीलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट

हार गया। इस वजह से पॉइंट्स टेबल में उसके 48.48% पॉइंट्स हो गए है। अब अगर श्रीलंका की टीम सीरीज 1-0 से जीतती है, तो भी उसके भारत के बराबर पॉइंट्स नहीं होंगे। वहीं, दूसरी ओर अब अगर भारतीय टीम चौथा टेस्ट मैच भी हार जाती है, तो उसके 56.94% पॉइंट्स रह जाएंगे, जो कि श्रीलंका से ज्यादा होंगे। पांचवें दिन न्यूजीलैंड को जीत के लिए 257 रन की जरूरत थी। न्यूजीलैंड ने 28/1 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया। केन विलियमसन ने शतकीय पारी खेल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विलियमसन ने 194 गेंदों पर 121 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 11 चौके और एक छक्का भी लगाया। विलियमसन के अलावा डेरिल मिचेल ने 81 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। उनके अलावा प्रभात जयसूर्या ने 2, कासुन रजिथा और लाहिरू कुमारा ने 1-1 विकेट लिए।

अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ, भारत ने ऑस्ट्रेलिया से लगातार चौथी सीरीज जीती

अहमदाबाद। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से लगातार चौथी टेस्ट सीरीज जीत ली है। 4 मुकाबलों की सीरीज का आखिरी मुकाबला ड्रॉ रहा है। ऐसे में सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया कंगारुओं से लगातार चार टेस्ट सीरीज जीतने वाली एशिया की पहली टीम बनी है। इतना ही नहीं, भारत ने लगातार छठी बार घर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले, टीम इंडिया को 2004 में अपने घर में पराजय झेलनी पड़ी थी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 175/2 रनों पर घोषित की। फिर नतीजा न निकलता देख दोनों कप्तानों ने एक घंटे पहले ही आपसी सहमति से मैच समाप्ति की घोषणा कर दी। तब मार्नस लाबुशेन 63 और स्टीव स्मिथ 10 पर नाबाद लौटे। लाबुशेन की यह टेस्ट में 15वीं और भारत में पहली हाफ सेंचुरी है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 2 विकेट से हराया, केन विलियमसन ने जड़ा शतक

क्राइस्टचर्च

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच 2 टेस्ट की सीरीज खेली जा रही है। सोमवार को क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे पहले टेस्ट में दोनों टीमों के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को पहले टेस्ट में 2 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड को विजयी रन आखिरी गेंद पर मिला।

न्यूजीलैंड को मिला था 285 रन का लक्ष्य

पांचवें दिन न्यूजीलैंड को जीत के लिए 257 रन की जरूरत थी। न्यूजीलैंड चौथे दिन 1 विकेट खो कर 28 बना लिए थे। केन विलियमसन ने शतकीय पारी खेल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विलियमसन ने 194 गेंदों पर 121 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 11 चौके और एक छक्का भी लगाया। विलियमसन के अलावा डेरिल मिचेल ने 81 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। श्रीलंका को ओर से असिथा फर्नांडो ने सबसे जयदा 3 विकेट लिए। उनके अलावा प्रभात जयसूर्या ने 2, कासुन रजिथा और लाहिरू कुमारा ने 1-1 विकेट लिए।

आखिरी दिन के आखिरी ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। वहीं, श्रीलंका को जीतने के लिए 3 विकेट की दरकार थी। क्रीज पर केन विलियमसन थे और बॉल असिथा फर्नांडो के पास थी।

हारने के बाद श्रीलंका WTC की रेस से बाहर हो चुका है। श्रीलंका के क्वालीफाई करने के लिए भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच ड्रॉ करना या हारना और साथ ही श्रीलंका को न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों मैच किसी भी हाल में जीतना जरूरी था। श्रीलंका WTC की पॉइंट्स टेबल में 48.48% अंक के साथ चौथे नंबर पर है।

कारोबार

बाजार भाव

किराना :- शक्कर 3550-3570, खोपरा गोला 120-140, खोपरा बूरा 2200-4200 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 290-300, ऊंझा हल्का 290-295, मीडियम 310-325, बेसट 350-360, हल्दी निजामाबाद 100-120, सांगली 160-162, साबूदाना हल्का 6200-6250, मीडियम 6300-6400, बेस्ट 6500-6600, सच्चा मोती 6875, सौंफ मोटी 160-180, मीडियम 185-200, बेस्ट 220-250, सौंफ बार?क 190-225, कालीमिर्च एटम 545-555, गरबल 527-533, मटर दाना 575-590, खसखस अनक्लीन 675-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-275, बेस्ट 300, जायफल 675-700, बेस्ट 725-750, वाद्यान फूल 675-750, शाहजीरा 300-325, तेजपान 85-90, पत्थर फूल 325-375, बेस्ट 450-525, जावत्री 1950-2100, केसर 155-160, बेस्ट 168-170, सौंठ 190-225, धोली मूसली 975-1100, लौंग 680-710, बेस्ट 725-740, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-182, सिंदूर 6600, देशी कपूर 600-800, पूजा बादाम 90-100, बेस्ट 160-165, पूजा सुपारी 460-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 875-900, विरूद्ध नगर 1025-1075, मीडियम 1225-1325, बोल्ड 1425-1550, एक्ट्रा बोल्ड 1600-1825, पानबार 850-950, बड़ी इलायची 600-700, बेस्ट 725-875, तरबूज मगज 405-410, काजू (240) 650-660, काजू (320) 660-700, काजू डब्ल्यू वन 650-660, एस. डब्ल्यू (300) 650-660, एस.एस. डब्ल्यू 650-655, काजू जे.एच. 660-680, टुकड़ी 625-660, बादाम मगज 570-620, सिंगापुरी 580-590, अखरोट 385-425, बेस्ट 550-600, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 375-475, बेस्ट 500-550, इंडियन 190-200, बेस्ट 240-260, चारौली 1200, बेस्ट 1250, मुनक्का 475-725, बेस्ट 775-850, अंजीर 675-1250, मखाना 425-650, बेस्ट 740-750, खारक 90-110, मीडियम 115-150, बेस्ट 160-175, एक्ट्रा बेस्ट 180-200, पिस्ता मोटा 1675-1725, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1380-1400, मैदा कट्टा 1440-1460, रवा कट्टा 1480-1500, बेसन 3375 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 1500-1550, (160) 1750-1800, (200) 1950-2000, (250) 2200-2250

तेल :- सींगदाना 1690-1700, मुम्बई 1690, राजकोट तेलिया 2660, सोया साल्वेंट 1030-1035, सोया रिफाइंड 1055-1060, कपास्या 960, धूलिया 965, कड़ी 965,

खली :-कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1800, देवास-उज्जैन 1800, खंडवा-बुरहानपुर 1775, अकोला 2700 (प्रति क्वि?टल)

तिलहन :- सरसो 5900-6000, रायडा 4700-4900, सोयाबीन 4800-5400, टोली (महुआ बीज) 4100-4150,

खराब मौसम, रुपए में गिरावट का दिख सकता है असर

फरवरी में रिटेल महंगाई घटकर 6.44% पर आई, दाल-चावल और सब्जियों के दाम कम होने से मिली मामूली राहत

नई दिल्ली

देश में फरवरी महीने में रिटेल महंगाई घटकर 6.44% पर आ गई है। जनवरी 2023 में यह तीन महीनों के उच्च स्तर 6.52% और दिसंबर 2022 में 5.72% पर रही थी। तीन महीने पहले नवंबर 2022 में रिटेल महंगाई 5.88% थी। पिछले साल फरवरी 2022 में यह 6.07% रही थी।

खाने-पीने के सामान में मामूली बढ़ोतरी हुई है। वहीं दाल-चावल और सब्जियों की कीमतों में थोड़ी कमी आई है, जिसके चलते महंगाई दर में मामूली गिरावट देखने को मिली है। फरवरी 2023 में फूड इन्फ्लेशन 5.95त्न हो गई है, जो

जनवरी में 5.94त्न थी।

लगातार दूसरे महीने इन्फ्लेशन भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 6त्न के अपर टॉलरेंस लेवल से ऊपर रही है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदार्थों की ही होती है। बीते महीने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में गेहूं जैसे खाद्यान्न के भाव घटे हैं। सरकार ने सप्लाई भी बढ़ाई है। इसका असर भी रिटेल महंगाई के आंकड़ों पर पड़ा है। सोसायटी जनरल के अर्थशास्त्री कुणाल कुंडू ने कहा था कि अगली कुछ तिमाहियों तक महंगाई ज्यादा बढ़ने की संभावना नहीं है। लेकिन इसके कम होने की रफ्तार धीमी रहेगी। पिछले साल रुपए में 10त्न से ज्यादा गिरावट का असर भी महंगाई पर दिख सकता है।

रिजर्व बैंक की सख्त पॉलिसी में ढिलाई की संभावना नहीं

खाने की चीजें और एनर्जी को छोड़कर कोर इन्फ्लेशन में फिलहाल कोई कमी नजर नहीं आ रही है। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, फरवरी में ये 6% की सीमा से ऊपर ही रहेगी। इसके चलते RBI की मौद्रिक नीति में ढिलाई की संभावना नहीं है। ब्याज दरें और बढ़ सकती हैं।

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी। महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे।

SVB के बाद अमेरिका का सिग्नेचर बैंक भी बंद

नई दिल्ली। सिलिकॉन वैली बैंक (SVB) के बाद अब सिग्नेचर बैंक को भी अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। सिग्नेचर बैंक के पास क्रिप्टोकरेंसी का स्टॉक था। इसके जोखिम को देखते हुए बैंक को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है। शुक्रवार को इस बैंक के शेयर्स में भी गिरावट देखने को मिली थी।

99 रु में बिकी सिलिकॉन वैली बैंक की UK यूनिट

लंदन

HSBC ने अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक की UK यूनिट को खरीद लिया है। ये डील केवल 1 पाउंड, यानी करीब 99 रुपए में हुई है। अधिग्रहण की कीमत केवल नाम के लिए है, क्योंकि सिलिकॉन वैली बैंक के पूरे कर्ज को सरकार का बैकअप है। यानी HSBC को इस डील के बाद कोई लोन नहीं चुकाना होगा। HSBC ने कहा कि 10 मार्च

तक, सिलिकॉन वैली बैंक UK लिमिटेड के पास करीब 5.5 अरब पाउंड का लोन था और लगभग 6.7 अरब पाउंड की जमा राशि थी। 31 दिसंबर 2022 को खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर में SVB UK ने 88 मिलियन पाउंड का प्रॉफिट बिफोर टैक्स दर्ज किया था।

HSBC ने कहा, SVB UK की टेंजिबल इक्विटी लगभग 1.4 बिलियन पाउंड होने की उम्मीद है। वहीं SVB च की पेरेंट कंपनियों के एसेट और लाइबिलिटीज को ट्रांजैक्शन से बाहर रखा गया है। अधिग्रहण को मौजूदा रिसोर्सेज से फंड किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)